卐 श्री सदगुरू देवाय नम: 卐 卐 ओ३म् 卐 卐 जय माता दी 卐
卐 सीताराम बाबा जी 卐卐 जय बाबा की 卐卐 श्याम बाबा 卐 卐
卐 ! जाके सुमिरन तें रिपु नासा!! ! नाम सत्रुहन बेद प्रकासा!! 卐

उल्लंघ्य सिन्धो: सलिलं सलीलं,य:शोकवह्नि जनकात्मजाया: आदाय तेनैव ददाह लंकां,नमामि तं प्राञ्जलिराञ्जनेयम्
मनोजवं मारुत तुल्य वेगं,जितेन्द्रियं बुद्धिमतां वरिष्ठम् वातात्मजं वानरयूथ मुख्यं, श्रीराम दूतं शरणं प्रपद्ये

केन्द्र व उत्तरांचल सरकार से विज्ञापन मान्यता प्राप्त

हिन्दी सान्ध्य दैनिक

उत्तरांचल दर्पण

♦वर्ष 24 ♦अंक 38 ♦पृष्ठ 8 ♦रूद्रपुर(ऊधमसिंहनगर) ♦बुधवार ♦15 नवम्बर 2023 ♦मूल्य दो रूपया

darpan.rdr@gmail.com 9897427585 UTTARANCHAL DARPAN www.uttaranchaldarpan.in

रेस्क्यू में ढिलाई पर फूटा गुस्सा

सुरग में फंसे चालीस मजदूरों को निकालने के लिए लाई जा रही हाईटैक मशीन

उत्तरकाशी(उद ब्यूरो)। उत्तरकाशी के सिलक्यारा सुरंग में चौथे दिन भी 40 श्रमिकों की जान सुरंग में कैद है। इन श्रमिकों को बाहर निकालने के लिए चल रहे अभियान में कई तरह की बाधाएं उत्पन्न हो रही है। पहले कैविटी वाले क्षेत्र से लगातार गिरे मलवे ने राह रोकी और फिर मशीन खराब हो गई। बैकअप में दूसरी मशीन नहीं रखने और रेस्क्यू काम में ढिलाई बरतने का आरोप लगाते हुए सुरंग के बाहर आक्रोशित मजदूरों ने आज प्रदर्शन किया।

सुरंग में मजदूरों की तबीयत बिगड़ी

उत्तरकाशी। सुरंग में फंसे मजदूरों की हालत अब बिगड़ने लगी है। उधर से कुछ लोगों में बुखार, बदन दर्द व घबराहट की बात बताए जाने पर अधिकारियों ने तुरंत दवाएं पाइप के जरिए भेजीं और एक पर्चे में उन्हें लेने की विधि लिखकर भेजी। इसके साथ उन्हें चना, बादाम इत्यादि भी पाइप से भेजा जा रहा है। हालांकि बाहर खड़े उनके साथियों का धैर्य जवाब देने लगा है। वह हंगामा कर रहे हैं।

बता दें गत रविवार सुबह साढ़े पांच बजे यमुनोत्री हाईवे पर निर्माणाधीन 4.5 किमी लंबी सुरंग में भारी भूस्खलन होने से निर्माण में लगे 40 मजदूर फंस गये। उन्हें बाहर निकालने के लिए विभिन्न एजेंसियां जुटी हुई हैं। सुरंग में पहले जेसीबी से मलबा हटाने का काम किया गया, लेकिन लगातार मलबा गिरने से सफलता नहीं मिली। तब ऑगर मशीन मंगवाने और आयरन पाइप (शेष पृष्ठ सात पर)

केदारनाथ धाम के कपाट शीतकाल के लिए बंद

रूद्रप्रयाग (उद संवाददाता)। भैयादूज के पावन पर्व पर केदारनाथ धाम के कपाट शीतकाल के लिए सुबह 8:30 बजे बंद कर दिए गए। इस दौरान बाबा केदार के जयकारों से धाम गूंज उठा। मंगलवार को केदारनाथ में बाबा केदार की पंचमुखी मूर्ति को विधि-विधान और पूजा-अर्चना के साथ भंडारगृह से मंदिर के सभामंडप में विराजमान कर दिया गया था। सुबह चार बजे से मंदिर के गर्भगृह में पूजा-अर्चना शुरू हुई। बाबा की चल उत्सव विग्रह डोली धाम से शीतकालीन गद्दीस्थल ओंकारेश्वर मंदिर ऊखीमठ के लिए प्रस्थान करते हुए रात्रि प्रवास के लिए पहले पड़ाव रामपुर पहुंचेगी। 17 नवंबर को बाबा केदार छह माह की शीत (शेष पृष्ठ सात पर)

घर से चार लाख की नगदी चोरी

रूद्रपुर (उद संवाददाता)। किराये के कमरे से चार लाख की नगदी पार चोरी हो गयी। पीड़ित ने मामले की रिपोर्ट दर्ज करायी है और अपने दोस्त पर नगदी चोरी का शक जताया है। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। जानकारी के अनुसार मूल रूप से ग्राम बहरौली थाना मीरगंज जिला बरेली निवासी तुलसी राम पुत्र धर्मपाल यहां ट्रांजिट कैम्प राजा कालोनी में किराये के मकान में अपनी पत्नी और सास ससुर के साथ रहता है। उसने पुलिस को दी तहरीर में बताया कि बीती दस नवम्बर को वह अपने गांव की तीन बीघा जमीन बेचकर चार लाख रूपये लेकर आया था। उसके साथ उसका दोस्त यशपाल भी आया। रात को वह कमरे पर सो गया। कमरे पर उसका दोस्त यशपाल भी था। उसने चार लाख की नगदी बैग में रखी थी। सुबह जब उठा तो बैग से नगदी गायब थी। तुलसी राम ने दोस्त यशपाल पर नगदी चोरी करने का शक जताया है। मकान में लगे सीसी टीवी कैमरे की फुटेज चैक की तो पता चला कि 2 चोर रात को 2 बजे आते हुए दिखाई दे रहे हैं । एक चोर बाद में आर्मी कलर की पेन्ट पहने लगभग 20-25 मिनट बाद आता है और पैसे सीने से लगाकर ले जाते हुए रिखाई दे रहा है। पीड़ित ने संदेह जताया है कि यशपाल ने ही रात को उठकर उठकर पैसे चोरों को दिये हैं। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

डिस्पोजल फैक्ट्री में आग से लाखों की क्षति

रूद्रपुर (उद संवाददाता)। भूरारानी क्षेत्र में स्थित एक डिस्पोजल फैक्ट्री में आग भड़क गयी। सूचना पर पहुंचे दमकल कर्मियों ने बमुश्किल आग को काबू किया। अग्निकाण्ड में 50 लाख से अधिक का नुकसान होने का अनुमान है। जानकारी के अनुसार बाजपुर निवासी बलविंदर सिंह भूरारानी में छाबड़ा धर्मकांटा के पास प्रथम तल पर गोदाम किराये में लेकर पिछले कई वर्षों से डिस्पोजल फैक्ट्री चला रहे थे। यहीं पर उनका गोदाम भी था। बताया गया है कि आज सुबह करीब छह बजे अचानक फैक्ट्री और गोदाम में आग लग गयी। आस पास के लोगों ने धुंआ उठता देखा तो मामले की सूचना पुलिस और फायर बिग्रेड को दी। सूचना पर आनन फानन में पुलिस और दमकल कर्मी मौके पर पहुंच गये। दमकल के कई वाहनों ने आग बुझाने का काम शुरू किया और घंटों की मशक्कत के बाद आग को काबू किया। तब तक आग में रखा तैयार माल के अलावा कच्चा माल और मशीनें आदि आग की भेंट चढ़ चुके थे। अग्निकाण्ड में फैक्ट्री स्वामी को करीब 30 लाख से अधिक का नुकसान होने का अनुमान है। जबकि अग्निकाण्ड से भवन स्वामी को भी लगभग 25 लाख से अधिक का नुकसान होने का अनुमान है। आग लगने का कारण शॉर्ट सर्किट माना जा रहा है।

युवक ने फांसी लगाकर दी जान

रूद्रपुर (उद संवाददाता)। संदिग्ध हालातों में एक युवक ने घर पर फांसी लगाकर जान दे दी। सूचना पर पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेजा है। घटना से मृतक के परिजनों में कोहराम मचा है। जानकारी के अनुसार आदर्श इंदिरा बंगाली कालोनी निवासी 26 वर्षीय राजू उर्फ पंचू पुत्र प्रदीप बर्मन ने अज्ञात कारणों के चलते फंखे में रस्सी बांधकर गले में फंदा लगा लिया। जिससे उसकी मौत हो गयी। परिजनों ने राजू को (शेष पृष्ठ 7पर)

फूड प्वाइजिंग: 100 से अधिक लोग बीमार

वार्षिक श्राद्ध के ब्रहम भोज में खाना खाने के बाद बिगड़ी हालत

किच्छा(उद संवाददाता)। यहां वार्ड नंबर सात में आयोजित वार्षिक श्राद्ध के ब्रहम भोज में फूड प्वाइजनिंग का मामला सामने आया है। खाना खाने के बाद घरों को लौटे दो सौ से अधिक लोग अचानक बिमार पड़ गये। इनमें से कुछ को आईसीयू में भर्ती कराया गया। मामला 11 नवम्बर का है। बताया जाता है कि यहां वार्ड नं सात एफसीआई गोदाम के साथ वाली गली निवासी मनोज जोशी के पिता रिटायर्ड पोस्टमास्टर देवी दत्त जोशी का 11 नवम्बर को वाषिक श्राद्ध था। जिसमें ब्रहम भोज रखा गया था। जिसमें किच्छा एवं आस पास के अलावा दूर दराज से करीब ढाई सौ से अधिक लोग शामिल हुए थे। दोपहर को अधिकांश लोगों ने ब्रहम भोज में खाना खाया और अपने अपने घरों को चले गये। जिसके बाद 100 से अधिक लोगों की तबियत बिगड़ गयी। कुछ को उल्टी दस्त तो किसी को बेहोशी छाने लगी। जिससे हड़कम्प मच गया। आनन फानन में लोग उपचार कराने के लिए अस्पतालों की ओर दौड़े। अलग अलग निजी अस्पतालों में भर्ती हुए कुछ लोगों की हालत इतनी बिगड़ गयी कि उन्हें आईसीयू में भर्ती कराना पड़ा। कई लोगों का अभी भी उपचार चल रहा है। इधर मामले का पता चलने पर परिवार वालों ने ब्रहम भोज में खाना बनाने वालों से बात की और भोजन में प्रयोग की गयी सामग्री को चेक किया तो सब कुछ सही पाया गया। पता चला है कि ब्रहम भोज के लिए भोजन एक पेड़ के नीचे बनाया गया था। संभावना जताई जा रही है कि खाना बनाने के दौरान कोई जहरीला जीव भोजन में गिर गया होगा। शायद इसी वजह से भोजन जहरीला हो गया और उसके सेवन से लोगों की तबियत बिगड़ गयी। फिल्हाल बिमार पड़े सभी लोगों की हालत खतरे से बाहर बताई जा रही है।

ई रिक्शा चालक ने किया मासूम बच्ची से दुष्कर्म का प्रयास

किच्छा(उद संवाददाता)। ई रिक्शा चालक पांच वर्षीय मासूम को हवस का शिकार बनाने के लिये गन्ने खेत मे ले गया। बच्ची के चिल्लाने पर लोगो को आता देख चालक ई रिक्शा छोड़ कर फरार हो गया। पुलिस ने पॉक्सो व दुष्कर्म की धाराओं में मुकदमा दर्ज कर ई रिक्शा कब्जे में ले लिया है। पुलभट्टा थाना अंतर्गत उत्तर प्रदेश की सीमा से लगे गांव में ई रिक्शा चालक शावेज पुत्र बब्बू निवासी ग्राम भंगा मंगलवार शाम अंधेरा होता देख मासूम पांच वर्षीय बच्ची को ई रिक्शा पर बैठा कर घुमाने के बहाने अपने साथ ले गया। मासूम के घर के पास ही कुछ आगे गन्ने के खेत के पास ई रिक्शा रोक कर वह बच्ची का हाथ पकड़ कर गन्ने के खेत मे ले गया। उसकी इस हरकत पर बच्ची चिल्लाने लगी। शोर सुनकर लोग मौके पर जुटने लगे। लोगों को अपनी तरफ आता देख कर ई रिक्शा और बच्ची को छोड़ कर चालक गन्ने के खेत में घुस गया और वहां से फरार हो गया। हिंदू बच्ची से दूसरे समुदाय के ई रिक्शा चालक द्वारा हवस का शिकार बनाने के प्रयास की सूचना पर पुलिस में हड़कंप मच गया। आनन फानन में पुलिस टीम गांव में पहुंच गई। इसकी भनक लगते ही आरोपित के परिवार के लोग भी घर से फरार हो गए। पुलिस ई रिक्शा कब्जे में लेकर आरोपित चालक (शेष पृष्ठ सात पर)

GAGNEJA PROPERTIES
CONTACT FOR SALE, PURCHASE RENT & LEASE
✔ Shops ✔ Houses
✔ Industrial Property
✔ Commercial Property
✔ Agriculture Land
REAL ESTATE WITHOUT THE HASSLE
MO.-8630672525,8279444462
ADD- SRA F69, Shop No.4, Adarsh Colony, Rudrapur

ड्रिलिंग मशीन में खराबी से रेस्क्यू ऑपरेशन प्रभावित

सिलक्यारा सुरंग के अंदर फंसे मजदूरों की जिंदगी बचाने के लिए रेस्क्यू टीमों का ऑपरेशन जारी
राज्य आपदा प्रबंधन ने मजदूरों के परिजनों को दी हादसे की जानकारी ,केंद्र सरकार को भेजी रिपोर्ट

उत्तरकाशी। यमुनोत्री राष्ट्रीय राजमार्ग पर सिलक्यारा से डंडालगांव के बीच निर्माणाधीन सुरंग में बीते रविवार सुबह साढ़े पांच बजे 4.5 किमी लंबी सुरंग में भारी भूस्खलन होने से निर्माण में लगे 40 मजदूर फंसे हुए हैं। उन्हें बाहर निकालने के लिए विभिन्न एजेंसियां जुटी हुई हैं। सुरंग में पहले जेसीबी से मलबा हटाने का काम किया गया, लेकिन लगातार मलबा गिरने से सफलता नहीं मिली। तब ऑगर मशीन मंगवाने और आयरन पाइप डालकर रास्ता तैयार करने का निर्णय लिया गया। बचाव कार्य में लगे मुख्य विकास अधिकारी गौरव कुमार ने बताया कि बचाव अभियान जोरों पर चल रहा है। जल्द सफलता मिलने की उम्मीद है। मजदूरों को बचाने रेस्क्यू ऑपरेशन पिछले चारदिन से लगातार युद्धस्तर पर जारी है, तकनीकी विशेषज्ञों का कहना है कि मजदूरों को सुरक्षित बाहर निकाल लिया जाएगा। हांलाकि रेस्क्यू अभियान के

दौरान मलवा आने से बाधा आ रही है जबकि खराब हुई ऑगर मशीन के स्थान पर अब ड्रिलिंग के लिए ज्यादा एडवांस मंशीन दिल्ली से मंगवाई जा रही है। जो वायु सेना की मदद से पहुंचाई जाएगी। राहत एवं बचाब कार्य की कमान संभाल रहे कर्नल दीपक पाटिल ने बताया कि ड्रिलिंग के लिए अमेरिका में निर्मित नई ऑगर मशीन मंगवाई जा रही है। जो ज्यादा तेजी से काम करेगी। बताया कि अब इस पूरे राहत एवं बचाव कार्य में मिलिट्री ऑपरेशन की टीम भी सक्रिय हो गयी है। डॉ. सिन्हा ने कहा जिला प्रशासन की ओर सुरंग में फंसे हुए एक-एक व्यक्ति के घर वालों से फोन पर बात कर वस्तुस्थिति की जानकारी दी गई है। इसके अलावा उन्हें आश्वस्त किया गया कि सकुशल निकाल लिया जाएगा। कहा, इसमें किसी को शंका नहीं होनी चाहिए कि हम इस ऑपरेशन को सफलता पूर्वक अंजाम देंगे। सचिव आपदा प्रबंधन डॉ. रंजीत सिन्हा ने मीडिया से बातचीत में बताया है कि आपदा राज्य आपदा प्रबंधन की टीम टनल में फंसे मजदूरों को सुरक्षित निकालने के लिए तीन ऑपरेशन चला रही है। जिसमें पहले मजदूरों को आक्सीजन और भोजन और दवाई पहुंचाई जा रही है जबकि मलवा हटाने के साथ ही स्टील के पाईप डालकर मजदूरों को बाहर निकालने का काम पूरा होगा। केंद्रीय गृह मंत्रालय भी लगातार संपर्क में है। जो भी प्रगति और कार्रवाई है, उससे केंद्र को भी अवगत कराया जा रहा है। गृह मंत्रालय के अधिकारी बराबर पूरे ऑपरेशन पर नजर बनाए हुए हैं। सुरंग हादसे की खबर दीपावली की सुबह संचार माध्यमों से पता चलते ही यहां काम कर रहे लोगों के परिजन चिंतित हो उठे। तुरंत फोन लगाए गए, जब उनको पता चला कि उनके अपने सुरंग के अंदर फंसे हैं तो विचलित हो गए। किसी अनहोनी की आशंका में भगवान का सुमिरन करते हुए उत्तरकाशी की ओर चल दिए। वह चाहे हिमाचल के मंडी निवासी योगेश हो या मिर्जापुर के अखिलेश के परिजन सभी यहां पहुंचकर घटनास्थल पर दिन-रात डटे हुए हैं। सुरंग में फंसे मजदूरों की हालत अब बिगड़ने लगी है। उधर से कुछ लोगों में बुखार, बदन दर्द व घबराहट की बात बताए जाने पर अधिकारियों ने तुरंत दवाएं पाइप के जरिए भेजीं और एक पर्चे में उन्हें लेने की विधि पर लिखकर भेजी। इसके साथ उन्हें चना, बादाम इत्यादि भी पाइप से भेजा जा रहा है। हालांकि बाहर खड़े उनके साथियों का धैर्य अब जवाब देने लगा है।

राहत सामग्री की किसी भी प्रकार की आवश्यकता पड़ने पर शीघ्र उपलब्ध कराई जाए

देहरादून(उद संवाददाता)। मुख्यमंत्री श्री पुष्कर सिंह धामी उत्तरकाशी के सिलक्यारा के पास टनल

में फंसे श्रमिकों के विषय में अधिकारियों से निरंतर जानकारी ले रहे हैं। राहत एवं बचाव के कार्यों में लगी एजेंसियों से भी मुख्यमंत्री हर पल की अपडेट ले रहे हैं। मुख्यमंत्री आवास में उच्चाधिकारियों के साथ बैठक कर मुख्यमंत्री ने निर्देश दिये कि मौके पर तैनात जिला प्रशासन के अधिकारियों एवं वहां पर कार्य कर रही एजेंसियों से निरन्तर समन्वय बनाकर रखें और राहत सामग्री की किसी भी प्रकार की आवश्यकता पड़ने पर शीघ्र उपलब्ध कराई जाए। मुख्यमंत्री के निर्देश पर भूस्खलन के अध्ययन एवं कारणों की जांच के लिए निदेशक उत्तराखंड भूस्खलन न्यूनीकरण एवं प्रबंधन केंद्र की अध्यक्षता में गठित समिति में शामिल विशेषज्ञों ने घटना स्थल का निरीक्षण कर जाँच शुरू कर दी है। राहत एवं बचाव के कार्य तेजी से चल रहे हैं। इस अवसर पर अपर मुख्य सचिव श्रीमती राधा रतूड़ी, विशेष प्रमुख सचिव श्री अभिनव कुमार, सचिव श्री आर. मीनाक्षी सुंदरम, श्री शैलेश बगोली, श्री विनय शंकर पाण्डेय, एडीजी श्री ए. पी. अंशुमन, सूचना महानिदेशक श्री बंशीधर तिवारी एवं अपर सचिव श्री जे.सी. काण्डपाल उपस्थित थे।

सुरंग के अंदर मलबे में पहला पाइप डालते ही ऑगर ड्रिलिंग मशीन में तकनीकी खराबी

उत्तरकाशी। यमुनोत्री हाईवे के पास निर्माणाधीन सिलक्यारा सुरंग में फंसे 40 मजदूरों को बचाने के लिए जारी राहत एवं बचाव कार्य का आज चौथा दिन है। मंगलवार को रात करीब 12 बजे मशीन से ड्रिलिंग का काम शुरू हुआ। सुरंग के अंदर मलबे में पहला पाइप डालने के लिए ड्रिलिंग शुरु हुई, लेकिन ऑगर ड्रिलिंग मशीन में तकनीकी खराबी आ गई। जिसके बाद खराब मशीन को हटाकर नई ड्रिलिंग मशीन की स्थापना के लिए प्लेटफॉर्म लेवलिंग का काम शुरू किया गया। मशीन में खराबी से रेस्क्यू ऑपरेशन प्रभावित हुआ है। तकनीकी विशेषज्ञों का कहना है कि आज बुधवार को मजदूरों को सुरक्षित बाहर निकाल लिया जाएगा। इसके पूर्व मंगलवार को

सुबह से लेकर रात तक कई बार उम्मीदें बंधती और बिगड़ती रहीं। हरिद्वार से आयरन पाइप और देहरादून से ड्रिलिंग के लिए ऑगर मशीन पहुंचने के बाद दोपहर को प्लेटफार्म तैयार करने का काम शुरू हुआ। इस दौरान मलबा गिरने से कुछ समय तक कार्य बाधित रहा। रात करीब नौ बजे जब सुरंग में ड्रिलिंग शुरू हुई तो फिर मलबा गिरने लगा। जिससे उस स्थान को शॉटक्रिटिंग कर सीमेंट का छिड़काव किया गया। उसके सेट होने पर रात करीब 12 बजे फिर ड्रिलिंग शुरू हुई। इसके पूर्व बार बार बाधित हो रही सुरंग में श्रमिकों द्वारा पूजा अर्चना भी की गई है।

रेरा एप्रूव्ड कालोनी
30 से 60 तक चौड़ी सड़कें,
बड़े-बड़े पार्क, गेट बंद कालोनी
90 प्रतिशत तक ऋण सुविधा,
सीवरेज, स्ट्रीट लाईट

डायनामिक गार्डन सिटी
तोमर कंस्ट्रक्शन
श्री राधा स्वामी सत्संग घर गेट नं. 7 के सामने किच्छा रोड, रूद्रपुर
मोबा. 9557222289,7088169159

☛ 100 से 400 गज तक के प्लाट
☛ 100,160, 200 गज विला
☛ खरीदने व बेचने हेतु सम्पर्क करें।
100 से अधिक परिवार रह रहे हैं

बन्द फैक्ट्री में चोरी कर रहे अनवार गैंग के दो सदस्य दबोचे

किच्छा(उद संवाददाता)। पुलभट्टा के पास कुर्क की गयी फैक्ट्री में चोरी कर रहे अनवार गैंग के दो सदस्यों को पुलिस ने गिरफ्तार कर उनके कब्जे से सामान भी बरामद किया है। जबकि उनके सात साथी फरार हो गये। जानकारी के मुताबिक पुलिस टीम को मुखबिर ने सूचना दी कि पिललिया मोड से पुलभट्टा की तरफ बिजली विभाग के पावर हाउस से अन्दर की तरफ बैक द्वारा कुर्क की गयी फैक्ट्री में अनवार गैग लोहा ,तांबा आदि चोरी कर रहे है। सूचना पर थानाध्यक्ष पुलभट्टा मय पुलिस फोर्स रवाना हुए। बिजली विभाग के पावर हाउस के बराबर मे एक बडा गेट जो खुला हुआ था वहां जाकर देखा तो फैक्ट्री के अन्दर कुछ लोगो की आवाजें व सुनाई दी और रोशनी दिखाई दे रही थी । पुलिस टीम ने झाडियों के अन्दर झांक कर देखा तो कुछ लोग फैक्टरी में लगे लोहे की मशीनों को गैस कटर के माध्यम से काट रहे थे। पुलिस टीम ने दबिश दी तो पुलिस टीम को नजदीक देखकर उक्त लोगों में भगदड मच गयी। पुलिस ने मौके पर अबरार अहमद पुत्र मुख्तयार अहमद निवासी ग्राम पंडरी थाना सितारगंज और मनीष कुमार पुत्र अनिल कुमार निवासी आजाद नगर थाना सितारगंज को पकड लिया । जबकि अन्य सात लोग दीवार फांद कर अंधेरे का फायदा उठाकर भाग गये । पकडे गये आरोपियों ने पूछताछ में बताया कि वह लोग यहाँ लोहा तांबा आदि की चोरी करने आये थे और गैस कटर से लोहा आदि काट रहे थे। गिरोह का सरगना अनवार पुत्र काबिर निवासी पंडरी थाना सितारगंज व गिरोह के सदस्य नदीम निवासी पंडरी, गुलाम हसन पुत्र रईस अहमद निवासी पंडरी, सलमान पुत्र कबीर अहमद निवासी पंडरी, सौरभ निवासी पुलभट्टा यहाँ से फरार हो गये। आरोपियों ने बताया कि वह लोग फैक्ट्री के चौकीदार रामपाल निवासी बहेडी से मिलकर यहाँ चोरी करते हैं उसको एक बार चोरी करने के पाँच हजार रुपये देते है। सरगना अनवार व उसका चचेरा भाई आबिद कबाड़ी है, जिसकी अमरिया चौराहे पर वनविभाग बैरियर के पास कबाड की दुकान है । वह लोग एक गिरोह में काम कर जगह –जगह से लोहा तांबा आदि चोरी कर अनवार के माध्यम से आबिद कबाडी के पास ले जाते है वहीं उनका हिसाब किताब करता है और अकरम उर्फ गनी भाई उक्त चोरी के माल को गाडियों से बाहर भेजता है। मौके पर चोरी करने के उपकरण एक आक्सीजन सिलेण्डर मय कटर मय गैस पाइप व सिलेण्डर से लगा हुआ रेगुलेटर , एक छोटा पैट्रोमैक्स , एक रिन्च , एक हैक्सा

मय ब्लेड , एक हथौडा , दो पैचकस, 4 चाबी , 3 पाने , पाँच प्लास व लोहे का सब्बल बरामद कराया गया है। चोरी किया हुआ एक सफेद कट्टे के अन्दर लोहे की ट्रांसफार्मर से निकाला हुआ लगभग 13 किलो काँपर वायर भी बरामद हुआ । गिरफ्तारी करने वाली टीम में थानाध्यक्ष कमलेश भट्ट , उपनिरीक्षक पवन जोशी,उपनिरीक्षक प्रताप सुयाल, हेड कांस्टेबल अशरफ खान, हेड कांस्टेबल धरमवीर सिंह,कांस्टेबल दीपक विष्ट, कांस्टेबल चारू पन्त आदि शामिल थे।

सीएम विवेकाधीन कोष से प्राप्त चैकों का विधायक ने किया वितरण

काशीपुर(उद संवाददाता)। विधायक त्रिलोक सिंह चीमा ने मुख्यमन्त्री विवेकाधीन कोष से प्राप्त 4 चैकों का वितरण किया। श्री चीमा ने बताया कि इन लाभान्वितों में से दो निराश्रित विचका महिलाओं में सिमरन सक्सेना एवं कमलेश को 25–25 हजार रु०, दो अनाथ बच्चों में नाना नन्दन सिंह को बच्चों की परवरिश हेतु 50 हजार

रू० एवं पुत्री की शादी हेतु मोहन चन्द्र को 10 हजार रू० कुल 1 लाख 10 हजार रू० के चैक वितरित किए गए। विधायक चीमा ने कहा कि जरूरतमंद परिवार को हरसम्भव सहायता दिलाए जाने से उन्हें खुशी मिलती है और ऐसे लोगों को सरकार के स्तर से मिलने वाली हरसम्भव सहायता दिलाए जाने हेतु उनका प्रयास जारी रहेगा।

दोषसिद्ध चोर को चाकू के साथ दबोचा

रूद्रपुर (उद संवाददाता)। पुलभट्टा पुलिस ने दोष सिद्ध चोर को अवैध हथियार के साथ गिरफ्तार किया है। थानाध्यक्ष पुलभट्टा के नेतृत्व में पुलिस टीम द्वारा चलाये जा रहे चेकिंग अभियान के दौरान टीम ने प्रतीक कश्यप पुत्र कृष्ण मुरारी निवासी वार्ड न0 18 चार बीघा सिरौली कला थाना पुल भट्टा को मय 1 अदद नाजायज चाकू के साथ गिरफ्तार कर लिया। पूछताछ मे पकडे गये प्रतीक कश्यप ने बताया कि वह नशा करने का आदी है। अपने नशे की पूर्ति के लिए पुलभट्टा ,किच्छा क्षेत्र मे लोहा लकडी आदि चोरी करने के साथ ही लोगो को डराने के लिए अपने पास चाकू रखता है। वह कई बार जेल भी जा चुका है। कई बार जेल जा चुका है। पुलिस के मुताबिक प्रतीक कश्यप को मा0 न्यायालय न्यायिक मजिस्ट्रेट बरेली द्वारा वर्ष 2023 मे 1 वर्ष 03 माह की सजा से दण्डित किया गया है । गिरफ्तार करने वाली टीम में हेड कांस्टेबल फिरोज खान, कांस्टेबल दीपक बिष्ट आदि शामिल थे।

पार्षद प्रतिनिधि पर लोहे की रोड से किया हमला

काशीपुर(उद संवाददाता)। गाली गलौज मारपीट व जान से मारने की धमकी देने की एक मामले में पुलिस ने तहरीर के आधार पर चार लोगों को नामजद करते हुए मामले की जांच पड़ताल शुरू कर दी। घटना के बारे में पुलिस को तहरीर देकर वार्ड नंबर 11 ढकिया गुलाबो टांडा उज्जैन निवासी पार्षद प्रतिनिधि घनश्याम सिंह पुत्र स्वर्गीय ओमप्रकाश ने बताया कि बीते 24 अक्टूबर की रात्रि लगभग 8:30 बजे स्कूटी पर सवार होकर जब वह अपने एक मित्र के घर से वापस अपने घर लौट रहा था इसी दौरान मार्ग में फसियापुरा टांडा उज्जैन निवासी दलजीत सिंह पुत्र सुरजीत सिंह, गुरजीत सिंह पुत्र सुरजीत सिंह, राजेश कुमार पुत्र सुरजीत सिंह के अलावा ढकिया गुलाबो निवासी बिजेंद्र पुत्र सूरज सिंह ने अलीगंज रोड पर बाली पेट्रोल पंप के समीप अचानक घेरकर उसे रोक लिया और गाली गलौज करने लगे। शिकायतकर्ता नहीं जब इसका विरोध किया तो उपरोक्त चारों ने आपस में एक राय होकर लोहे की रोड से प्राण घातक हमला करते हुए पार्षद प्रतिनिधि को मारपीट कर बुरी तरह घायल किया और शोर शराबा होने पर मौके पर भीड़ जमा होता देख वहां से फरार हो गए। मारपीट की इस घटना में पार्षद प्रतिनिधि घनश्याम को गुम चोटें आई। लोहे की रोड से सिर पर प्रहार किया गया। इस दौरान हेलमेट लगा होने के कारण वह चकनाचूर हो गया। पार्षद प्रतिनिधि ने पुलिस को दी तहरीर में यह भी बताया कि उपरोक्त हमलावरों द्वारा उसे पूर्व में भी जान से मारने की धमकी दी गई थी। मारपीट के इस मामले में पुलिस ने तहरीर के आधार पर उपरोक्त चारों के खिलाफ धारा 323 504 506 आईपीसी के अंतर्गत अभियोग पंजीकृत करते हुए मामले की जांच पड़ताल शुरू कर दी।

कथा में बताया भाई दूज का महत्व

गदरपुर(उद संवाददाता)। श्री सनातन धर्म मंदिर बुध बाजार में कार्तिक मास की कथा के 19 वें दिवस की कथा करते हुए कथावाचक पंडित विजय कुमार शास्त्री जी ने कहा कि कार्तिक शुक्ल दूज को यम द्वितीया कहते हैं, इस दिन यमुना जी में स्नान करके यमराज का पूजन करते हैं, इस द्वितीया को भैया दूज भी कहते हैं, इस दिन बहन अपने भाई की आयु बढ़ाने के लिए 8 चिरंजीवियों का विधिवत पूजन करें, फिर भाई को बुलाकर उसके तिलक लगावें और फिर कहें कि जब तक पृथ्वी सूर्य की स्थिति है तब तक मेरे भाई का वंश चले, फिर बहन भाई को बुलाकर तिलक करके भोजन करावें,भाई भी अपनी श्रद्धा तथा सामर्थ्य अनुसार दक्षिणा दे। प्रभात फेरी 3 परिवारों अनिल पपनेजा ,आशीष पपनेजा,श्रीमती हनी पपनेजा एवं श्रीमती दुलारी गुप्ता के निवास पर गयी। प्रसाद की सेवा गोविंद भट्ट के परिवार द्वारा दी गयी।

कांग्रेस ने स्वराज आश्रम में पंडित नेहरू को पुष्पांजलि अर्पित कर मनाया बाल दिवस

हल्द्वानी (उद संवाददाता)। आधुनिक भारत की सामाजिक एवं आर्थिक नींव रखने वाले, देश के प्रथम प्रधानमंत्री पंडित जवाहर लाल नेहरू को उनकी जयंती पर जिला एवं महानगर कांग्रेस परिवार ने जिलाध्यक्ष राहुल छिमवाल के नेतृत्व में स्वराज आश्रम में पंडित नेहरू के चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित कर याद किया। जिलाध्यक्ष राहुल छिमवाल, सतीश नेनवाल, महेश शर्मा, हरीश मेहता, नरेश अग्रवाल, जगमोहन चिलवाल, एनबी गुणवंत ने कहा कि राष्ट्रीय आंदोलन की परंपराओं को आगे बढ़ाते हुए लोकतंत्र, समाजवाद और धर्मनिरपेक्षता के संगम से एक सर्वसमावेशी समाज का संदेश देने वाले नेहरू जी सही मायने में 'राष्ट्रनायक' हैं। छोटे बच्चो के लिए अगाध प्रेम ने ही पंडित जवाहर लाल नेहरू को चाचा नेहरू के नाम से विश्व विख्यात किया तथा इसलिए उनकी जयंती बाल दिवस के रूप में मनायी जाती है। मलय बिष्ट, गोविंद बगडवाल, दीप पाठक, पार्षद राधा आर्य, भागीरथी बिष्ट, लता पांडे, राजेन्द्र बिष्ट, जगमोहन बगडवाल, नरेश अग्रवाल, जगमोहन चिलवाल, सौरभ भट्ट, विनोद कुमार, शरद शर्मा, मनोज श्रीवास्तव, ताहिर हुसैन आदि ने चाचा नेहरू को श्रद्धांजलि अर्पित की।

दबंगों ने व्यापारी पर किया जानलेवा हमला

रूद्रपुर (उद संवाददाता)। कुछ दबंगों ने सरेआम एक व्यापारी पर जानलेवा हमला कर दिया। भीड़ जुटने पर उक्त लोग धमकी देते हुए मौके से फरार हो गये। घायल को अस्पताल भर्ती कराया गया। पीड़ित की तहरीर के आधार पर पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पुरानी इलाहाबाद बैंक गली निवासी विकास ढींगरा पुत्र लेखराज ढ़ीगरा नले पुलिस को दी तहरीर में बताया कि विगत रात्रि साढ़े दस बजे वह अपने घर से रूपम गारमेंट की तरफ टहल रहा था। इसी दौरान रजत दीक्षित पुत्र सुशील दीक्षित, सुशील दीक्षित निवासी हरि मंदिर गली और उनके दो अन्य साथी, जो कि मुंह पर कपड़ा बांध रखे थे उक्त लोगों के हाथों में नुकीली वस्तु लाडी–डण्डे व लोहे की राड थी। उक्त लोगों ने मिलकर पीछे से सिर पर नुकीली वस्तु से वार कर किया।जिससे वह लहुलूहान होकर गिर पड़ा। गिरने के बाद उक्त हमलावरों ने लाठी डंडो से प्रहार किये। घटना स्थल पर काफी भीड भाड जमा होने पर उक्त लोग जान से मारने की धमकी देकर फरार हो गये। पीड़ित ने कहा है कि उक्त लोगों से उसे जान–माल का सख्त खतरा बना हुआ है ।पीड़ित की तहरीर के आधार पर पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

जगदीश
कलर लैब
टंडन फोटो स्टूडियो
पासपोर्ट फोटो तुरन्त प्राप्त करें
जनरेटर सुविधा भी उपलब्ध है।
मोबाइल, चिप, डिजिटल कैमरा, पेन ड्राइव, सीडी आदि डिजिटल कार्य तुरन्त बनवायें।
काशीपुर बाईपास रोड,
गुरूनानक कन्या इण्टर कालेज के सामने गली में, रुद्रपुर
E-mail: jagdishcolourlab@gmail.com
Web: jagdishcolourlab.com
05944-246817

नाम परिवर्तन सूचना

सूचित किया जाता है कि मैंने अपना नाम नरेश (NARESH) से बदलकर नरेश पाल (NARESH PAL) रख लिया है। भविष्य में मुझे नरेश पाल (NARESH PAL) के नाम से जाना जाए।

–नरेश पाल पुत्र तोता राम, 950, नारायण कालोनी, वार्ड नं. 2, रूद्रपुर, जिला–उधम सिंह नगर,उत्तराखण्ड 263153

जौलजीबी मेले का सीएम धामी ने किया शुभारंभ

पिथौरागढ़ (उद संवाददाता)। मुख्यमंत्री श्री पुष्कर सिंह धामी ने मंगलवार को काली एवं गोरी नदी के संगम पर आयोजित 110 वर्ष पुराने ऐतिहासिक जौलजीबी मेले का शुभारंभ किया। इस मौके पर मुख्यमंत्री ने कहा कि जौलजीबी मेला भारत, नेपाल व तिब्बत के मध्य आपसी सौहार्द, व्यापार एवं संस्कृति को आगे बढ़ाने का कार्य करता है। उन्होंने कहा कि वे बचपन से ही यहां के रीति-रिवाज और संस्कृति को देखते आ रहे हैं तथा इस मेले से उन्हें बहुत लगाव रहा है। मुख्यमंत्री ने जौलजीबी मेले हेतु 10 लाख रुपये दिए जाने की घोषणा भी की तथा केएमवीएन द्वारा काली नदी पर युवाओं हेतु आयोजित राफ्टिंग प्रशिक्षण कार्यक्रम का भी शुभारंभ किया। उन्होंने कहा कि यह सांस्कृतिक मेला हमारी विलुप्त होती लोक विरासत को संरक्षण प्रदान कर रहा है और आने वाली पीढ़ी को हमारी लोक संस्कृति से परिचित कराने का कार्य भी कर रहा है। ऐसे आयोजनों से राज्य के कलाकारों को भी एक मंच प्राप्त होता है और उन्हें प्रोत्साहन मिलता है। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी देश के सीमान्त गांवों के विकास के प्रति बहुत गंभीर हैं, इसका सीधा उदाहरण विगत दिनों उनके द्वारा आदि कैलाश व गुंजी की यात्रा है, जिससे आज पूरा विश्व इस क्षेत्र को जानने लगा है। आने वाले दिनों में यह पूरा क्षेत्र आवागमन का बहुत बड़ा केंद्र बनेगा। उन्होंने कहा कि सीमांत क्षेत्र के गांवों का सतत विकास हमारी प्राथमिकता में शामिल है, जिसे लगातार बढ़ाया जा रहा है। पिथौरागढ़ जनपद के इस सीमान्त क्षेत्र के विकास के लिए काली नदी पर डबल लेन मोटर पुल का निर्माण किया जा रहा है। जिससे भारत-नेपाल के बीच व्यापारिक संबंधों को बढ़ावा मिलेगा। इस अवसर पर क्षेत्रीय सांसद अजय टम्टा, अध्यक्ष जिला पंचायत दीपिका बोहरा, विधायक डीडीहाट बिशन सिंह चुफाल, भाजपा जिलाध्यक्ष गिरीश जोशी, ब्लॉक प्रमुख धारचूला धन सिंह धामी, डीडीहाट बबीता चुफाल, कनालीछीना सुनीता कन्याल नगर पालिका अध्यक्ष धारचूला राजेश्वरी देवी तथा अन्य लोग उपस्थित रहे।

नेत्रदान कर अमर हो गई सुमित्रा देवी

गदरपुर (उद संवाददाता)। ग्राम गोविंदपुर गुलरभोज निवासी दुग्ध संघ के चेयरमैन तिलकराज गम्भीर, राजेश गम्भीर, गुलाब राय गम्भीर की माता जी श्रीमती सुमित्रा देवी पत्नी स्वर्गीय रामचंद्र गम्भीर का आकस्मिक निधन हो गया है। दुख की घड़ी में भी मां की इच्छानुसार पुत्र तिलक गंभीर ने सोचो डिफरेंट संस्था को सूचित किया तत्पश्चात सी एल गुप्ता आई बैंक की टीम द्वारा सफलता पूर्वक नेत्रदान लिए गए। अब श्रीमती सुमित्रा देवी इस दुनिया को नही देख पाएंगी लेकिन उनके नेत्रों से किन्ही दो लोगों के जीवन में रोशनी आएगी। श्रीमती सुमित्रा देवी नेत्रदान कर हमेशा के लिए अमर हो गई। इस अवसर पर नगर एवं क्षेत्र के अनेकों संगठनों व्यापार मंडल गदरपुर,जय भवानी जागरण मंडल,भारत विकास परिषद,हेल्प टू अदर्स सोसायटी,जियो जिंदगी,पंजाबी महासभा,शिव मंदिर,शिव पार्वती राम लीला कमेटी,श्री सनातन धर्म सभा,पुरातन सनातन धर्म मंदिर, आड़ती एसोसिएशन, राइस मिलर्स एसोसिएशन,पेट्रोल पंप एसोसिएशन आदि ने श्रद्धांजलि अर्पित की।

लिगसी वेस्ट परियोजना के लिए किया 3.40 करोड़ की धनराशि का अनुमोदन

काशीपुर(उद संवाददाता)। शहरी विकास मंत्री डॉक्टर प्रेमचंद अग्रवाल ने नगर निगम काशीपुर में लिगसी वेस्ट परियोजना के लिए लगभग 3 करोड़ 40 लाख रुपए की धनराशि को अपना अनुमोदन प्रदान किया है। अनुमोदन के बाद अब काशीपुर नगर निगम डंप कूड़ा निस्तारण कर स्वच्छ नगर निगम की दिशा में अग्रसर होगा। शहरी विकास मंत्री डॉ प्रेमचंद अग्रवाल ने बताया कि नगर निगम काशीपुर में उच्च कोटि की सफाई व्यवस्था को सुचारू रूप से संचालित करने के लिए तथा पूर्ण रूप से कूड़ा निस्तारण के लिए लिगेसी वेस्ट परियोजना तैयार है। जिसकी अनुमानित लागत करीब 3 करोड़ 40 लाख रुपए है, जिसे उन्होंने अपना अनुमोदन प्रदान किया है। डॉ अग्रवाल ने बताया कि काशीपुर नगर निगम क्षेत्र में डंप कूड़ा निस्तारण में अहम भूमिका निभाएगा तथा स्थानीय स्तर पर स्वच्छ नगर निगम हेतु महत्वपूर्ण कदम साबित होगा।

जेल में कैदियों के लिए भेंट की पुस्तकें

रूद्रपुर (उद संवाददाता)। दिवाली की छुट्टियों को सार्थक बनाने के लिए रजनीश जस अपने कुछ दोस्तों के साथ हल्द्वानी जेल में किताबें देने गए। बता दें रजनीश जस , एक लेखक, कवि हैं जो रूद्रपुर, उत्तराखंड में एक प्राईवेट कंपनी में कार्यरत हैं। उन्होनें गदरपुर, उत्तराखंड और पंजाब में आपने पैत्रिक गाँव पुरहीरां के पास बस्सी दौलत खां के स्कूल में लाईब्रेरी दी हैं। रजनीश जस ने ए कैदियों के साथ किताबों की सार्थकता के बारे में बात की। रजनीश जस ने कहा कि जेल के कैदियों के पास समय होता है कि वह अपने जीवन के बारे में सोच सकें और इस कार्य को सार्थक बनाने में किताबों से और ज्यादा सहायक कुछ नहीं हो सकता क्योंकि किसी किताब पर लिखा हुआ एक शब्द, एक लाईन. ..किसी आदमी के जीवन में क्रांति ला सकता हैं। रजनीश जस ने बताया कि वो जब-जब भी डिप्रेशन का शिकार हुए तो उन्हें निराशा की दलदल से निकलने के लिए किताबों ने हमेशा मदद की है। अब उन्होनें अपने जीवन का यही मंतव बनाया है कि निराशा में फंसे हुए और लोगों को निकालने के लिए किताबों का प्रसार करेंगे। कैदियों से बात करते वक्त जंग बहादुर गोयल जी की किताब, साहित्य संजीवनी में से मिंटू गुरसरिया का किस्सा सुनाया जो कि पंजाब में कबड्डी का खिलाड़ी था फिर अंडरवर्ल्ड का डॉन बना, फिर जब उसकी टांग टूट गई तो वह बिस्तर पर पड़े पड़े उसने इतनी किताबें पढ़ीं कि उसका जीवन पूरी तरह से बदल गया, उसने सारे बुरे काम छोड़ दिए और वह अब बहुत ही बड़ा मोटिवेशनल गुरु हैं। इस काम में रजनीश जस के साथ उनके दोस्त परविंदर सिंह, अंग्रेज सिंह, विपिन हुरीया और हरिनंदन भी थे। इस कार्य के लिए अमेरिका में रहते हुए सतविंदर सिंह और मनोज ने भी आर्थिक मदद की।

एक दिवसीय जु-जित्सु प्रशिक्षण शिविर संपन्न

रुद्रपुर(उद संवाददाता)। जिला जु जित्सु एसोसिएशन ऑफ उधम सिंह नगर के तत्वावधान एवं दुर्गा मार्शल आर्ट्स एकेडमी, पंतनगर के सौजन्य से सोमवार को जवाहर नगर में एक दिवसीय जुख्र जित्सू ट्रेनिंग कैंप का आयोजन किया गया। ट्रैनिंग कैंप का शुभारम्भ मुख्य अतिथि ग्राम प्रधान, जवाहर नगर श्रीमती दीपा कांडपाल, जिला जुख्रजित्सू एसोसिएशन ऑफ ऊधम सिंह नगर के महासचिव सिहान ऋषि पाल भारती, मां दुर्गा मार्शल आर्ट्स अकैडमी की निर्देशक व मुख्य प्रशिक्षिका सेंसई हिमा भट्ट ने संयुक्त रूप से सभी खिलाड़ियों से परिचय प्राप्त कर किया। इस अवसर पर खिलाड़ियों को संबोधित करते हुए ग्राम प्रधान दीपा कांडपाल ने कहा कि " एक बेहतर खिलाड़ी बनने के लिए अभ्यास और आत्मनियंत्रण होना बहुत आवश्यक है। " और उन्होंने आगे कहा की आत्मरक्षा में निपुण होने से आत्मविश्वास बढ़ता है। किसी प्रकार की अचानक परेशानी आने पर आत्मरक्षा में निपुण बेटियां मानसिक तौर पर पूरी मजबूती से अपराधी को पस्त कर परेशानी से छुटकारा पा सकती हैं। साथ ही जिला जुख्रजित्सू एसोसिएशन ऑफ ऊधम सिंह नगर के महासचिव सिहान ऋषि पाल भारती ने कहा कि जुख्र जित्सू मार्शल आर्ट आत्मसुरक्षा की दृष्टि से विश्व की सबसे अधिक लोकप्रिय मार्शल आर्ट में से एक है। जिसके कारण इसकी लोकप्रिय खिलाड़ियों के बीच भूत तेजी से बढ़ रही है। जु-जित्सू एक अति प्राचीन जापानी मार्शल आर्ट्स खेल है जो जूडो, व कराटे जैसे लोकप्रिय खेलों की भी जननी है, यह खेल ओलिंपिक काउंसिल ऑफ एशिया (ओ.सी.ए.), भारत सरकार, युवा कार्यक्रम और खेल मंत्रालय, स्पोर्ट्स अथॉरिटी ऑफ इंडिया (साईं) से पूर्ण मान्यता प्राप्त है, एवं भारतीय ओलंपिक संघ द्वारा संबद्ध है। और आगे महासचिव भारती ने बताया कि जुख्रजित्सू खेल को वर्ष 2018 इंडोनेशिया में हुए 18वें एशियन गेम्स, वर्ष 2022 के हांगझाऊं, चीन में हुए 19वें एशियन गेम्स, एवं 2026 आइची-नागोया, जापान में अयोजित होने वाले एशियाई खेलों में शामिल किया गया है। आज यह खेल

विश्व स्तर पर होने वाले लगभग सभी बड़े आयोजनों वर्ल्ड कॉम्बेट गेम्स, वर्ल्ड पुलिस गेम्स, वर्ल्ड यूनिवर्सिटी गेम्स में भी अपनी जगह बना चुका है। जु-जित्सू एसोसिएशन ऑफ उत्तराखण्ड द्वारा एफिलिएटेड जिला जु-जित्सू संघ द्वारा वर्ष 2018 से जिले में जु-जित्सू खेल के विकास व प्रोत्साहन के लिए कार्य कर रही है, तथा जु-जित्सू खेल ने पिछले वर्षों में अन्तर्राष्ट्रीय व राष्ट्रीय पदक जिले व प्रदेश को दिए हैं। मुख्य प्रशिक्षिका सेंसई हिमा भट्ट ने बताया कि आगामी उत्तराखंड राज्य स्तरीय जुख्रजित्सू प्रतियोगिता में खिलाड़ियों के बेहतर प्रदर्शन हेतु एक दिवसीय जुख्रजित्सू प्रशिक्षण शिविर का आयोजन किया गया। विभिन्न स्कूलों से लगभग 30 खिलाड़ियों ने प्रतिभाग किया। शिविर में मुख्य प्रशिक्षक ऋषि पाल भारती एवं 19वें एशियाई खेल, चीन में भारत देश का प्रतिनिधित्व करने वाले एशियन जुख्र जित्सू खिलाड़ी कमल सिंह द्वारा संयुक्त रूप से सभी खिलाड़ियों को नेख्रवाजा इवेंट, जुख्रजित्सू फाइटिंग इवेंट की तकनीकों जैसे सबमिशन तकनीकें ज्वाइंट लॉक्स, चोक हॉल्ड्स, स्ट्राइक्स, थ्रोइंग, टेकडाउन, किक, पंच सहित अन्य महत्वपूर्ण तकनीकों का गहन प्रशिक्षण दिया। शिविर के समापन अवसर पर दुर्गा मार्शल आर्ट्स एकेडमी, पंतनगर के नेतृत्व में प्रशिक्षण ले रहे खिलाड़ियों द्वारा विगत दिनों आयोजित हुई विभिन्न प्रतियोगिताओं में पदक प्राप्त करने वाले विजेताओं को मुख्य अतिथि एवं अन्य गणमन में लोगों द्वारा पदक पहनकर व प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया। एवं शिविर में प्रतिभाग करने वाले सभी खिलाड़ियों को प्रमाण पत्र देकर सम्मानित किया गया। इस अवसर पर जु-जित्सू एसोसिएशन ऑफ उत्तराखण्ड के महासचिव रेंशी विनय जोशी, जिला जु-जित्सू संघ के अध्यक्ष भारत भूषण चुघ, जॉनी हिराम तिग्गा, शोभा तिग्गा, किशोर सिंह, कैनेथ लाल, देवेंद्र रावत, नव्या पांडेय, वसीम खान, अभिषेक राजपूत, यतेंद्र कुमार, विक्रम सिंह, मुकेश सैनी, सतनाम चावला, ऐजे बटसर, श्रीमति साधना बटसर, रघु रावत, तनुज पाठक, गंगा सागर पंत, केदार दत्त, नंदन भट्ट, कमलेश, मोहम्मद याकूब, अरुण थापा, शंकर बसेरा, राजीव राना, गंगा मेहरा सहित अन्य अभिभावको मैं सभी खिलाड़ियों के उज्जवल भविष्य की कामना करते हुए बधाई दी।

विभिन्न राज्यों से नानकमत्ता साहिब में पहुंची हजारों संगत

गुरुद्वारा नानकमत्ता साहिब में दिन-रात सजे धार्मिक दीवान में गुरुओं की महिमा का किया गया गुणगान

नानकमत्ता(उद संवाददाता)। गुरुद्वारा नानकमत्ता साहिब में दीपावली मेले में तीन दिवसीय धार्मिक दीवान का मंगलवार को समापन हो गया। बंदी छोड़ दिवस पर तीन दिन तक गुरुद्वारा श्री नानकमत्ता साहिब में दिन-रात सजे धार्मिक दीवान में गुरुओं की महिमा का गुणगान करते हुए गुरुओं के बताये मार्ग पर चलने का आह्वान किया। मंगलवार को देश के विभिन्न राज्यों से हजारों संगत नानकमत्ता साहिब पहुंची। यहां पवित्र सरोवर में स्नान कर हरमंदिर साहिब में मत्था टेककर सुख स्मृद्धि की कामना की। पंजा साहिब की परिक्रमा कर धार्मिक अजायब घर के दर्शन किये। मंगलवार को धार्मिक दीवान के समापन के बाद अब बुधवार से स्थानीय मेला शुरू हो गया। धार्मिक दीवान के तीसरे दिन धार्मिक जत्थों ने बंदी छोड़ दिवस के इतिहास को बताया। दिन-रात चल रहे मेले में दिन-रात अटूट लंगर बरत रहा है। यहां हजारों संगत रोजाना प्रसाद ग्रहण कर रही है। गुरुद्वारा प्रबंध कमेटी, प्रशासन के अलावा विभिन्न सामाजिक संगठन भी सेवा में जुटे हुए हैं। पूरा गुरुद्वारा क्षेत्र मेला परिसर सीसीटीवी कैमरों की निगरानी में है। संदिग्ध लोगों पर पैनी नजर रखी जा रही है। बुधवार से स्थानीय मेले में दूरदराज के लोगों के साथ स्थानीय लोगों की संख्या भी काफी बढ़ जायेगी। **सामाजिक संगठनों को किया सम्मानित:** दीपावली मेले में सेवा में जुटे सेवादारों को प्रबंध कमेटी की ओर से सम्मानित किया। भाई मंझ सेवा समिति सितारगंज, सिख सेवा सोसायटी सितारगंज, दशमेश खालसा दल किच्छा, श्री गुरुनानक सेवा जत्था शाहजहांपुर, गुरुनानक बालिका इण्टर कॉलेज पूरनपुर, श्री गुरुनानक इण्टर कॉलेज नानकमत्ता के एनसीसी के केडेट्स, श्री गुरुनानक बालिका इण्टर कॉलेज के स्टाफ समेत आसपास के क्षेत्रों से पहुंचे सेवादारों को प्रबंध कमेटी की ओर से सम्मानित किया गया।**दूध वाला कुआं का है विशेष महत्व:** यहां दूध वाला कुंआ का विशेष महत्व है। संगत यहां पहुंचकर मत्था टेककर सुख, स्मृद्धि की कामना कर रही है। संगत कुएं जल भरकर घरों को ले जा रही है। दूध वाला कुआं के समीप सच्चखण्ड भवन का निर्माण कराया है। यहां हजारों संगत पहुंच रही है। डेरा कार सेवा में भी संगत पहुंचकर संतों से आशीर्वाद ले रही है। यहां दिन-रात अटूट लंगर बरत रहा है। **नानकसागर जलाशय में नौका विहार का लुफ्त उठा रहे लोग:** गुरुद्वारा नानकमत्ता साहिब में मत्था टेकने के बाद संगत नानकसागर जलाशय भी पहुंच रही है। यहां नौकाविहार करना युवाओं व बच्चों का विशेश आकर्षण बना हुआ है। सुरक्षा की दृष्टि से प्रशासन ने जल पुलिस भी तैनात की है। यहां खाने के स्टॉल भी लगे हैं। जहां स्थानीय लोग रोजगार से खुश हैं।

मेले में जमकर हुई खरीददारी

नानकमत्ता। श्रद्धालुओं ने श्री दरबार साहिब में शीश नवाकर अपने परिवार की सुख शांति की अरदास की। श्रद्धालुओं ने गुरुद्वारा दूध वाला कुआं, गुरुद्वारा भंडार साहिब, गुरुद्वारा छैवी पातशाही एवं पवित्र बाऊली साहिब के श्रद्धा पूर्वक दर्शन कर शीश नवाकर अरदास की। श्रद्धालुओं ने पर्व के उपलक्ष में लगे दीपावली मेले क्षेत्र पहुंचकर जमकर खरीदारी एवं सर्कस, झूला,काला जादू, मौत का कुआं मिक्की माउस, मनोरंजन के साधनों का आनंद उठाया। यहां गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी की उपाध्यक्ष बीबी कमलेश कौर माटा, महासचिव अमरजीत सिंह, सचिव हरभजन सिंह, सदस्य निर्मल सिंह हंसपाल, गुरवंत सिंह सोनी, गुरदयाल सिंह, दवेन्दर सिंह, प्रतपाल सिंह, चरनजीत सिंह, पलविंदर सिंह, प्रकाश सिंह, प्रभारी प्रबंधक सुखवंत सिंह भुल्लर, रंजीत सिंह ढिल्लों मौजूद थे। पार्किंग की व्यवस्था से आवागमन सुचारू चल रहा है। पुलिस प्रशासन ने गुरुद्वारा मार्ग में अवरोधक लगाये हैं। अवरोधक से पहले पार्किंग स्थल बनाये गये हैं। सेवादार भी संगत की परेशानियों को दूर करने में जुटे हुए हैं। एसओ देवेंद्र गौरव ने बताया कि परिसर में वाहन ले जाने पर प्रतिबंध है।

कवि दरबार में कविताओं से किया गुरूओं का गुणगान

नानकमत्ता। अलमस्त दीवान हाल में सोमवार की रात्रि में कवि दरबार का आयोजन किया गया। कवि दरबार में पंजाब समेत देश के विभिन्न राज्यों से से पहुंचे कविसरों ने अपनी कविताओं व रचनाओं से गुरुओं की महिमा का गुणगान किया। पंजाब से पहुंचेभाई बलवीर सिंह कमल ने कहा कि धन-धन गुरुग्रंथ साहिब जी सब कुछ है तेरा, तेरा सब कुछ सौंप के क्या लागे मेरा। कवि जरनैल सिंह लहरी ने गुरु श्री हरिगोबिंद साहिब जी के फरमान पर रचना प्रस्तुत की। बीबी सर्वजीत कौर ने बंदी छोड़ दिवस पर धार्मिक कविताओं के माध्यम से गुरुओं की महिमा का गुणगान किया। दिल्ली से पहुंचे स. गुरचरण सिंह ने अमृत छको, गुरु वाले बनो, सबसे ऊंचा दरबार है तेरा श्री गुरुनानक देवमहाराज आदि कवितायें सुनाई। कवि दरबार का संचालन राज्य के सिख मिशन प्रभारी सुखविंदर सिंह एमए ने किया। यहां कमेटी के सदस्य कुलदीप सिंह पन्नू, गुरवंत सिंह, प्रभारी प्रबंधक सुखवंत सिंह भुल्लर, रणजीत सिंह राणा, बलदेव सिंह चीमा रहे।

बच्चों के साथ मनाया बाल दिवस

हल्द्वानी (उदसंवाददाता)। एक समाज श्रेष्ठ समाज संस्था अध्यक्ष योगेन्द्र कुमार साहू सदस्य एकता कुमारी के नेतृत्व में संस्था के माध्यम से दिव्य कार्य

अभियान के अंतर्गत बाल दिवस के अवसर पर संस्था पदाधिकारियों ने हल्द्वानी राजपुरा में बच्चों को कॉपी पेंसिल रबर कटर चॉकलेट देकर बच्चों को शिक्षित होने के लिए प्रेरित किया। इस दौरान एक समाज श्रेष्ठ समाज संस्था अध्यक्ष योगेन्द्र कुमार साहू सदस्य अमन कुमार ने संयुक्त रूप से कहा की बच्चे आने वाली पीढ़ी के साथ भारत देश के भविष्य है इसलिए हमारा यह परम कर्तव्य कि हम अपने देश के भविष्य बच्चों को सही शिक्षा और दीक्षा दिलाकर उनकी उन्नति के लिए कार्य करें क्योंकि किसी भी बच्चे का भविष्य उनके आज पर निर्भर करता है इसलिए उनकी वर्तमान की आदतें संस्कार बौद्धिक क्षमता और रहन सहन का तौर तरीका ही उनके भविष्य का निर्माण करेगा। क्योंकि जब बच्चों को ज्ञान प्राप्त होगा तो उनके अंदर छुपी हुई प्रतिभा प्रखर रूप से बाहर निकालकर ज्ञान की गंगा बहेगी जिससे यही बच्चे आगे चलकर भारत के उज्जवल भविष्य बनकर हर क्षेत्र में भारत देश की उन्नति प्रगति के लिए हमेशा कार्य करेंगे इसलिए हमें अपने बच्चों को पढ़ लिखकर आगे बढ़ाने के लिए हमेशा प्रेरित करना चाहिए। इस दौरान बच्चों को पठन पाठन सामग्री वितरण करने में संस्था मार्गदर्शक अशोक कुमार, अमन कुमार, मनीष साहू, संध्या, जानकी देवी, सुशील राय, सूरज कुम्हार, मुकेश कुमार आदि लोग उपस्थित रहे।

चरस के साथ दो तस्कर गिरफ्तार

गदरपुर(उद संवाददाता)। नशे के विरुद्ध चलाए जा रहे अभियान के अन्तर्गत कार्यवाही करते हुए पुलिस ने तस्करों को 264 ग्राम चरस के साथ गिरफ्तार कर लिया। थानाध्यक्ष के नेतृत्व में थाना गदरपुर पुलिस टीम द्वारा दिनेशपुर रोड पर चैकिंग के दौरान दिनेशपुर से आ रही मोटरसाईकिल संख्या यूके 06एबी6559 को चैकिंग हेतु रोका तो उक्त मोटरसाईकिल में 2 व्यक्ति सवार थे जो पुलिस को चैकिंग करता देख अपनी मोटरसाईकिल साईकिल को साईड में ले जाने की कोशिश करने लगे जिस पर शक होने इनको वही पर पकड लिया व इनका नाम पता पूछते हुए इनकी तलाशी ली तो मोटरसाईकिल चला रहे व्यक्ति ने अपना नाम राहुल पुत्र श्याम लाल सिंह निवासी ग्राम लंगडाभोज थाना गदरपुर तथा पिछली सीट पर बैठे व्यक्ति ने अपना नाम अजय पुत्र विश्राम सिंह निवासी ग्राम सूरजपुर न0 1 बताया। इनकी मोटरसाईकिल की डिक्की मे एक पारदर्शी पन्नी मे

काले बत्तीनुमा पदार्थ बरामद हुआ इसके संबन्ध मे इनसे सख्ती से पूछा तो इन्होने बताया कि यह चरस है हम दोनो चरस का नशा भी करते है तथा लोगो को बेचते भी है।बरामद चरस को तराजू मे तोलकर देखा तो इसका वजन 264 ग्राम थी। बरामदगी के आधार पर थाना गदरपुर पर अभियोग पंजीकृत किया गया। गिरफ्तार करने की पुलिस टीम में थानाध्यक्ष राजेश पांडे उप निरीक्षक महेश चंद्र कांस्टेबल गोरखनाथ, दीपक जोशी शामिल रहे।

डिप्टी कमिश्नर का खोया सामान वापस लौटाया

हल्द्वानी (उद संवाददाता)। पुलिस के सीसीटीवी टीम की मुस्तैदी और त्वरित कार्यवाही ने एक माहिल डिप्टी कमिश्नर का खोया हुआ कीमती सामान ढूंढकर वापस लौटाया। जानकारी के अनुसार श्रीमती प्रीती डिप्टी कमिश्नर जीएसटी निवासी आफिसर्स कालोनी केनाल रोड तिकोनिया जो भैया दूज की शॉपिंग करने ऑटो मे बैठकर तिकोनिया से वॉक वे तक गई। इसी दौरान उनका भैयादूज के लिए खरीदा सामान (जिसमे लेडीज सूट, बच्चो के कपडे व अन्य सामान आटो मे ही छूट गया। अपना सामान गुम हो जाने पर उन्होंने हल्द्वानी सीसीटीवी कंट्रोल रूम से संपर्क साधा। कमांड कंट्रोल सेंटर पर मौजूद पुलिस सीसीटीवी टीम ने उनकी बताई सूचना के आधार पर हल्द्वानी शहर के अनेकों सीसीटीवी कैमरे चेक किए।

पुलिस द्वारा सीसीटीवी के माध्यम से आटो संख्या यूके 04 टीए 9194 की पहचान कर चालक नवाब अली निवासी काठगोदाम को बुलवाकर महिला का सामान बरामद कर लिया। सीसीटीवी टीम में नियुक्त हेकानि . प्रमोद जोशी, कानि. महेंद्र रावत और शंकर बिष्ट द्वारा उपरोक्त महिला का खोया हुआ सामान वापस लौटाया।

यातायात नियमों का उल्लघंन पर 58 चालकों के चालान

हल्द्वानी (उद संवाददाता) बनभूलपुरा थाना पुलिस ने अभियान चलाकर यातायन नियमों का उल्लंघन का वहां चलाने वाले 58 चालकों का चालान कर 25 हजार रुपए जुर्माना वसूला। साथ ही मोहल्लों में नाबालिगों द्वारा चलाए जा रहे 4 वाहनों को सीज कर दिया। जनकारी के अनुसार थाना पुलिस वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक द्वारा सडक दुर्घटनाओ को कम करने के उद्देश्य से जनपद स्तर पर अभियान चलाया जा रहा है। इसी क्रम मे थानाध्यक्ष नीरज भाकुनी के नेतृत्व में थाना बनभूलपुरा

पुलिस टीम द्वारा थाना क्षेत्रान्तर्गत गाँधी नगर, इन्द्रानगर फाटक, लाईन नंबर 17 , गोपाल मन्दिर , गौला पुल, ताज चौक, लाईन नंबर 08, चोरगलिया रोड, किदवई नगर मे पुलिस टीम के साथ यातायात के नियमो का उल्लघंन करने वाले तथा नाबालिको द्वारा वाहन चलाने सडक दुर्घटनाओ मे कमी लाने जाने हेतु वाहन चेकिंग 58 चालान कर संयोजन शुल्क 25000 रूपया वसूल किया गया तथा नाबालिको द्वारा बेतरतीव गली/ मौहल्लो मे वाहन चलाने पर 04 वाहनो को सीज कर उनके अभिभावको के कोर्ट चालान तथा 2 आटो को सीज किया।

उत्तरांचल दर्पण सम्पादकीय

सत्यम् शिवम् सुन्दरम्

तकनीकी के दुरुपयोग

वक्त के साथ विज्ञान हर रोज नई ऊंचाई छूने की ओर बढ़ रहा है। मानव जीवन को सुविधाजनक बनाने के लिहाज से इसकी उपलब्धियों से इनकार नहीं किया जा सकता। मगर इसके समांतर तकनीकी के दुरुपयोग से जिस तरह के खतरे खड़े हो रहे हैं, उनका सामना करना आम लोगों से लेकर सरकार तक के लिए चुनौती साबित हो रहा है। इस संदर्भ में कृत्रिम बुद्धिमत्ता के प्रयोगों, संभावनाओं और आशंकाओं पर बहस चल रही है। मगर मुश्किल यह है कि यह उच्च स्तरीय तकनीक फिलहाल जिस अवस्था में है, उसमें उपयोगिता के मुकाबले इसके खतरे भी मुख्य रूप से सामने आ रहे हैं। पिछले कुछ दिनों में देश की दो अभिनेत्रियों का जो वीडियो फैला दिया गया, वह छेड़छाड़ कर तैयार किया गया था। उसके स्वरूप और नतीजे का सिर्फ अंदाजा ही लगाया जा सकता है। दरअसल, कृत्रिम बुद्धिमत्ता के तहत 'डीप फेक' तकनीक के जरिए एक अभिनेत्री का चेहरा किसी अन्य महिला की आंगिक भंगिमा से जोड़ कर उसे अश्लील स्वरूप दे दिया गया था। यह किसी महिला की गरिमा के हनन का मामला है। मगर इसके लिए जिस डीप फेक तकनीक का उपयोग किया गया, वह इसके व्यापक खतरों का संकेत देता है। दो अभिनेत्रियों के साथ हुई इस घटना के बाद स्वाभाविक ही इस पर व्यापक चिंता उभरी है। इस मसले पर सरकार ने भी प्रमुख सोशल मीडिया कंपनियों को गलत सूचना, डीप फेक और नियमों का उल्लंघन करने वाली अन्य सामग्री की पहचान करने और जानकारी देने के छत्तीस घंटों के भीतर उन्हें हटाने का परामर्श जारी किया है।दरअसल, डीप फेक वीडियो को 'सिंथेटिक मीडिया' भी कहा जाता है। इसके जरिए किसी व्यक्ति की सहमति या उसे जानकारी दिए बिना उसकी तस्वीर या वीडियो को अन्य व्यक्ति की तस्वीर या वीडियो से बदल दिया जाता है। बीते कुछ समय से जैसे-जैसे कृत्रिम बुद्धिमत्ता से लैस तकनीकों का विस्तार हुआ है, उसमें बहुत सारे ऐसे लोगों की पहुंच भी इस तकनीक तक बनी है, जो इसका बेजा इस्तेमाल कर सकते हैं। किसी जानी-मानी हस्ती की तस्वीरों या उसके वीडियो से अगर छेड़छाड़ की जाती है तो ऐसे मामलों में कानूनी उपायों को लेकर सक्रियता बढ़ेगी। मगर इसके जरिए निशाना बनाए जाने पर साधारण लोगों की स्थिति क्या हो सकती है, यह समझा जा सकता है। एक अध्ययन के मुताबिक, डीप फेक तकनीक के जरिए तैयार किए गए अश्लील वीडियो में आमतौर पर महिलाओं को ही दिखाया जाता है। इसका मकसद अश्लील फिल्मों का कारोबार बढ़ाने से लेकर किसी महिला को बदनाम करना, बदला लेना या भयादोहन हो सकता है। इसके जमीनी असर को देखें तो यह तकनीक महिलाओं के खिलाफ लैंगिक हिंसा का एक नया रूप बन कर उभरा है।मगर इसके खतरे का दायरा इससे भी आगे है, जिसमें किसी भी व्यक्ति का मनमाना वीडियो तैयार करके उसका भयादोहन किया जा सकता है, उसे किसी वैसी गतिविधि में फंसाया जा सकता है, जिसमें वह कभी शामिल न रहा हो। इसके अलावा, बहुस्तरीय साइबर खतरे पैदा होने से लेकर इससे आम राय को गलत दिशा दी जा सकती है। तकनीक अपने आप में विज्ञान की उपलब्धि होती है, लेकिन इसका असर सकारात्मक होगा या नकारात्मक, यह इस बात पर निर्भर करता है कि उसका इस्तेमाल करने वाला व्यक्ति कैसा है। जाहिर है, मौजूदा कानूनी व्यवस्था के समांतर समय के साथ तकनीक के बेजा इस्तेमाल के बदतर होते स्वरूप पर काबू पाने की ठोस व्यवस्था नहीं की गई तो इसके घातक नतीजे आएंगे।

मराठा आरक्षण: युवाओं को बैसाखी थमाने का उपाय

महाराष्ट्र में मराठा समाज को आरक्षण देने की मांग के चलते कुछ युवकों द्वारा आत्महत्या करने की घटनाओं ने अत्यंत चिंताजनक संदेश दिया है। इस आंदोलन के नए जनक मनोज जरांगे है। उनके छह दिन चले आमरण अनशन के बाद यह आंदोलन उग्र और हिंसक तो हुआ ही, इसने युवाओं में अवसाद भरने का काम भी कर दिया। नतीजतन इसी माह अब तक एक दर्जन से ज्यादा युवा अवसाद की गिरफ्त में आकर आत्महत्या कर चुके हैं। साफ है, महाराष्ट्र में ही नहीं पूरे देश में जाति और समुदायगत आरक्षण का ऐसा महिमामंडन किया जा रहा है कि सरकारी नौकरी नहीं मिली तो जैसे जीवन चल ही नहीं पाएगा ? कुंठा और अवसाद की यह मानसिकता बेहद हानिकारक है। क्योंकि आरक्षण उपलब्ध संसाधनों में एक बैसाखी तो हो सकता है, लेकिन समस्या का स्थाई हल नहीं है। अतएव इस समस्या का ऐसा समाधान खोजने की जरूरत है, जो संविधान की कसौटी के अनुरूप तो हो ही, न्यायिक चुनौती का भी सामना कर सके। क्योंकि जब-जब मराठों को आरक्षण देने के उपाय किए गए, ये उच्च और सर्वोच्च न्यायालयों में कानूनी लड़ाई हार गए। पिछड़ा वर्ग आयोग के अस्तित्व में आने के बाद महाराष्ट्र में मराठाओं को आरक्षण देना आसान लगने लगा था, लेकिन संभव नहीं हुआ। हालांकि मराठा समाज की यह मांग 1980 से लंबित है। 2014 में महाराष्ट्र विधानसभा से इस समुदाय को 16 प्रतिशत आरक्षण देने का प्रावधान पहली बार किया गया था। किंतु मुंबई उच्च न्यायालय ने इस व्यवस्था को गैर संवैधानिक मानते हुए, इसके अमल पर रोक लगा दी थी। इसके बाद आरक्षण की मांग नियमित उठती रही। 2016 में इस आंदोलन के स्वरूप ने आक्रोश का रूप भी ले लिया था। नतीजतन एक युवक ने नहर में कूंदकर आत्महत्या भी कर ली थी। आज फिर यह आंदोलन हिंसा की राह पर है। एनसीपी के विधायक प्रकाश सोलंके और संदीन क्षीरसागर के उग्र भीड़ ने घर फूंक दिए। परिवहन निगम की 13 बसों को नष्ट कर दिया। गरम लोहे पर हथौड़ा चलाने के नजरिए से शिवसेना के एकनाथ शिंदे गुट के सांसद हेमंत पाटिल और हेमंत गोडसे ने आरक्षण के समर्थन में त्याग-पत्र दे दिए। राज्य सरकार ने ओबीसी के तहत मराठाओं को 16 प्रतिशत आरक्षण दिया था। नतीजतन राज्य में कुल आरक्षण 50 फीसदी की सीमा को पार कर गया। सुप्रीम कोर्ट की संवैधानिक पीठ ने मई 2021 में मराठा आरक्षण रद्द कर दिया था। इसके बाद मराठा नेताओं ने मांग की कि उनके समुदायों को कुनबी जाति के प्रमाण-पत्र दिए जाएं। इस आंदोलन के हिंसक होने और युवकों द्वारा आत्महत्या करने के बाद सरकार ने आनन-फानन में कैबिनेट उपसमिति की बैठक में न्यायाधीश संदीप शिंदे समिति की रिपोर्ट स्वीकार कर ली। इसके परिणामस्वरूप अब मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने कहा है कि कुछ मराठवाड़ा परिवारों को आरक्षण मिलेगा। कुल 1.73 करोड़ अभिलेखों में से कुनबी समुदाय के पक्ष में 11,530 साक्ष्य मिले हैं। जिनके पास कुनबी होने के साक्ष्य होंगे, उन्हें तत्काल आरक्षण प्रमाण-पत्र जारी कर दिए जाएंगे। लेकिन अनशन पर बैठे मनोज जरांगे ने आंशिक आरक्षण स्वीकार करने से इंकार कर दिया है। साफ है, आरक्षण का पेंच इस निर्णय के बाद भी सुलझा नहीं है। इस आरक्षण को देने के लिए पिछड़ा वर्ग आयोग ने मराठा समुदाय की सभी जातियों और उपजातियों से विचार विमर्श किया। समाज के 98 फीसदी लोगों से राय ली गई। कुनबी और ओबीसी के दायरे में आने वाली 90 फीसदी जातियों ने मराठों को आरक्षण देने का समर्थन किया। इसके लिए 43,600 से भी ज्यादा परिवारों का सर्वेक्षण किया गया। इससे पता चला कि मराठा समुदायों के 37 प्रतिशत परिवार गरीबी रेखा के नीचे जीवन-यापन करने को विवश हैं। 70 प्रतिशत परिवार कच्चे मकानों में रहते हैं और 63 प्रतिशत परिवार लघु कृषक हैं। 53 प्रतिशत परिवारों के पास फिज्र, वाशिंग मशीन और कंप्यूटर नहीं हैं, वहीं 43 प्रतिशत परिवार के पास टीवी नहीं हैं। 22 फीसदी परिवारों की वार्षिक आय 24000 से भी कम हैं। 51 प्रतिशत परिवारों की सालाना आमदनी 24 से 50 हजार के बीच है। 19 फीसदी परिवारों की आमदनी 50 हजार से 1 लाख के बीच हैं। आठ फीसदी परिवारों की आय 1 लाख से 4 लाख रुपए वार्षिक और महज 0.5 फीसदी परिवारों की आमदनी सालाना 4 लाख रुपए से अधिक हैं। महाराष्ट्र में मराठा, उत्तर भारत के क्षत्रियों की तरह उच्च सवर्ण और सक्षम भाशाई समूह है। आजादी से पहले शासक और फिर सेना में इस कौम का मजबूत दखल रहा है। आजादी की लड़ाई में मराठा, पेशवा, होल्कर और गायकवाड़ों की अहम भूमिका रही है। स्वतंत्र भारत में यह जुझारू कौम आर्थिक व समाजिक क्षेत्र में इतनी क्यों पिछड़ गई कि इसे आरक्षण के बहाने संरक्षण की जरूरत पड़ गई, यह राजनेताओं और समाज विज्ञानियों के लिए चिंता का विषय होना चाहिए ? हमारा संविधान भले ही जाति, धर्म, भाषा और लिंग के आधार पर वर्गभेद नहीं करता, लेकिन आज इन्हीं सनातन मूल्यों को आरक्षण का आधार बनाने के प्रयास किए जा रहे हैं। आजादी के बाद जब संविधान अस्तित्व में आया तो, अनुसूचित जाति और जनजातियों के सामाजिक उत्थान के लिए सरकारी नौकरियों में आरक्षण की सुविधा दी गई थी। 1989 में तत्कालीन प्रधानमंत्री वीपी सिंह ने अपनी कुर्सी बचाने के लिए ओबीसी आरक्षण का प्रावधान किया था। आजादी के 75 साल बाद भी ये जातियां समग्र रूप में न तो अपने बुनियादी उद्देश्य में सफल हुईं और न ही व्यापक सामाजिक हित साधने में कामयाब रहीं। इसके उलट एक ही वर्ग में आर्थिक और सामाजिक विसंगति बढ़ गई, जो ईर्ष्या और विद्वेश का कारण बन रहे हैं। नतीजतन आरक्षण के ये प्रावधान न तो समाज के लिए लाभदायी रहे और न ही देश के लिए ? आरक्षण व्यवस्था के परिणामों से रूबरू होने के बावजूद देश के राजनेता वोट की राजनीति के लिए संकीर्ण लक्ष्यों की पूर्ति में लगे हैं और जातीय आरक्षण की इस प्रक्रिया को लगातार बनाए रखने की कवायद कर रहे हैं। जबकि समय की मांग है कि इसकी पुनर्समीक्षा हो और इसे आर्थिक आधार देकर वास्तविक जरूरतमंदों को लाभ दिया जाना बेहतर होगा।एक समय आरक्षण का सामाजिक न्याय से वास्ता जरूर था, लेकिन सभी जाति व वर्गों के लोगों द्वारा शिक्षा हासिल कर लेने के बाद जिस तरह से देश में शिक्षित बेरोजगारों की फौज खड़ी हो गई है, उसका कारगर उपाय आरक्षण जैसे चुक गए औजार से संभव नहीं है ? लिहाजा सत्तारूढ़ दल अब सामाजिक न्याय से जुड़े सवालों के समाधान आरक्षण के हथियार से खोजने की बजाय रोजगार के नए अवसरों का सृजन कर निकालेंगे तो बेहतर होगा ? यदि वोट की राजनीति से परे अब तक दिए गए आरक्षण के लाभ का ईमानदारी से मूल्यांकन किया जाए तो साबित हो जाएगा कि यह लाभ जिन जातियों को मिला है, उनका समग्र तो क्या आंशिक कायाकल्प भी नहीं हो पाया ? भूमंडलीकरण के दौर में खाद्य सामग्री की उपलब्धता से लेकर शिक्षा, स्वास्थ्य और आवास संबंधी जितने भी ठोस मानवीय सरोकार हैं, उन्हें हासिल करना इसलिए और कठिन हो गया है, क्योंकि अब इन्हें केवल पूंजी और अंग्रेजी शिक्षा से ही हासिल किया जा सकता है ? ऐसे में आरक्षण लाभ के जो वास्तविक हकदार हैं, वे अर्थाभाव में जरूरी योग्यता और अंग्रेजी ज्ञान हासिल न कर पाने के कारण हाशिये पर उपेक्षित पड़े हैं। अलबत्ता आरक्षण का सारा लाभ वे लोग बटोरे लिए जा रहे हैं, जो पहले ही आरक्षण का लाभ उठाकर आर्थिक व शैक्षिक हैसियत हासिल कर चुके हैं। कालांतर में आरक्षण मिलने के बाद मराठा जातियां भी यही एकांगी स्वरूप ग्रहण कर लेंगी। लिहाजा आदिवासी, दलित व पिछड़ी जातियों में जो भी जरूरतमंद हैं, यदि उन्हें लाभ देना है तो क्रीमीलेयर को रेखांकित करके इन्हें आरक्षण के लाभ से वंचित करना होगा ? लिहाजा इस परिप्रेक्ष्य में सोचना होगा कि आरक्षण बैसाखी है, पैर नहीं ? याद रहे यदि विकलांगता ठीक होने लगती है तो चिकित्सक बैसाखी का उपयोग बंद करने की सलाह देते हैं और बैसाखी का उपयोगकर्ता भी यही चाहता है। किंतु राजनीतिक महत्वाकांक्षा है कि आरक्षण की बैसाखी से मुक्ति नहीं चाहती ? इसलिए आरक्षण भारतीय समाज में उत्तरोत्तर मजबूत हुआ है।

प्रमोद भार्गव,लेखक, वरिष्ठ साहित्यकार और पत्रकार हैं ।

राज्यपाल ने हिम ज्योति स्कूल की बच्चियों के साथ मनाया बाल दिवस

देहरादून(उद संवाददाता)। राज्यपाल लेफ्टिनेंट जनरल गुरमीत सिंह (से नि) ने हिम ज्योति स्कूल की बच्चियों के साथ बाल दिवस मनाया। मंगलवार

को राजभवन में आईं हिम ज्योति स्कूल की बच्चियों से मुलाकात कर राज्यपाल ने उन्हें बाल दिवस की शुभकामनाएँ दीं। राज्यपाल ने बच्चियों से संवाद करते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य के लिए अपना आशीर्वाद दिया। बच्चियों को संबोधित करते हुए राज्यपाल ने कहा कि जीवन में हमेशा बड़ा लक्ष्य रखें और उसे प्राप्त करने के लिए कड़ी मेहनत करें। उन्होंने कहा कि आत्मविश्वास, आत्मानुशासन किसी भी लक्ष्य को पाने के लिए जरूरी हैं। उन्होंने कहा कि प्रत्येक व्यक्ति में कोई न कोई विशिष्ट प्रतिभा छुपी होती है स्वंय को पहचानकर उसी क्षेत्र में आगे बढ़ना जरूरी है। उन्होंने बच्चों से सुबह हमेशा जल्दी उठने की आदत और खुश रहने को कहा। राज्यपाल ने कहा कि बच्चे हमारे देश का भविष्य हैं, देश के बेहतर भविष्य के लिए बच्चों को अच्छी शिक्षा और बेहतर स्वास्थ्य दिया जाना हमारी जिम्मेदारी है। उन्होंने कहा कि भारत में बच्चे और युवा सर्वाधिक हैं इस दृष्टि से यह जिम्मेदारी और अधिक बढ़ जाती है। बच्चों के सर्वांगीण विकास और उनको आगे बढ़ने के अवसर प्रदान किए जाने चाहिए। राज्यपाल ने विश्वास जताया कि भविष्य का भारत हमारे बच्चों और युवाओं के नेतृत्व में नई ऊँचाइयों को छुएगा। इस अवसर पर राज्यपाल की धर्मपत्नी श्रीमती गुरमीत कौर, स्कूल के ट्रस्टी हेमंत के अरोड़ा, प्रधानाध्यापिका रूमा मल्होत्रा मौजूद रहीं।

चोरी की दो बाइकों के साथ एक गिरफ्तार

गदरपुर(उद संवाददाता)। पुलिस टीम द्वारा दिनेशपुर रोड अण्डर पास के पास संदिग्ध व्यक्तियों की चेकिंग के दौरान दिनेशपुर की तरफ से आ रही एक बिना नम्बर की मोटरसाईकिल को रोकने का इशारा किया तो उक्त मोटरसाईकिल चालक मोटरसाईकिल को तेजी मे वापस मोडने की कोशिश करने लगा इसी दौरान वह गिर गया जिसे पुलिस टीम द्वारा त्वरित कार्यवाही कर पकड लिया तथा नाम पता पूछते हुए इसकी तलाशी ली तो उसने अपना नाम आकाश मिस्त्री पुत्र मृत्युन्जय मिस्त्री निवासी वार्ड न0 09 दिनेशपुर थाना दिनेशपुर बताया । बिना नम्बर मोटरसाईकिल प्लेटिना के कागजात मांगे तो नही दिखा पाया। चेचिस नम्बर को पुलिस टीम द्वारा चालान मशीन में चैक किया तो मोटरसाईकिल नम्बर यूके 06बीई 6758 आया जिसका पंजीकृत स्वामी रोशन सिंह पुत्र नन्हे सिंह निवासीवार्ड न0 3 बाल्मिकी बस्ती गदरपुर है। मोटरसाईकिल के सम्बन्ध में थाना गदरपुर में एफआईआर दर्ज है । पकडे गये व्यक्ति से सख्ती से पूछताछ की तो उसने बताया कि यह गाडी उसने 08 नंवंबर 2023 की रात में डमरू ढाबा दिनेशपुर मोड गदरपुर से चोरी की थी। सख्ती से पूछताछ मे अभियुक्त आकाश

मिस्त्री ने एक और मोटरसाईकिल 10नवंबर 23 को नई मण्डी गदरपुर से चोरी करना बताया तथा उक्त मो0 सा0 सेन्टमेरी स्कूल गदरपुर श्मसान घाट के पास झाडियो में छुपाकर रखना बताया। अभियुक्त आकाश मिस्त्री की निशादेही पर एक अन्य बिना नम्बर प्लेट की मो0सा0 स्पलेन्डर बरामद की गयी। ई-चालान मशीन में उक्त चैचिस नम्बर चौक किया तो गाडी का नम्बर यूके 06एपी 9484 आया जिसका वाहन स्वामी धर्मेन्द्र सिंह पुत्र तुला सिंह निवासी खेमपुर गूलरभोज गदरपुर है। गिरफ्तार करने वाली पुलिस टीम में थानाध्यक्ष राजेश पांडे उप निरीक्षक पूरण सिंह तोमर उप निरीक्षक जितेंद्र सिंह कांस्टेबल इरशाद, उमेश जोशी, प्रकाश टम्टा शामिल रहे।

हरिद्वार में डॉक्टर ,युवक और दो महिलाओं की बुखार से मौत

रूड़की। बहादरपुर जट, नसीरपुर कलां गांव में बुखार की दहशत है। यहां बुखार से फिर दो महिलाओं, एक युवक और अलीपुर में चिकित्सक की मौत हो गई है। लगातार हो रही मौत से गांवों में कोहराम मचा हुआ है। ग्रामीणों में दहशत से दोनों गांव में सन्नाटा पसरा हुआ है। बहादरपुर जट के पूर्व प्रधान विकास कुमार ने बताया कि मंगलवार को बुखार से दीपक पाल (24) पुत्र धीर सिंह और बाला देवी (65) पत्नी योगेन्द्र सिंह चौहान निवासी बहादरपुर जट की मौत हो गई है। नसीरपुर कलां की ग्राम प्रधान गुलनाज अंसारी ने बताया कि बुखार से सूफी (60) पत्नी शफी निवासी नसीरपुर कलां की मौत हो गई है। पिछले कई दिन से ये सभी लोग बुखार से पीड़ित थे और इलाज निजी अस्पतालों में चल रहा था। बता दें कि पथरी क्षेत्र के गांवों में बुखार से लोगों की मौतों का सिलसिला जारी है। दो माह के भीतर गांव बादशाहपुर, पदार्था, नसीरपुर कलां, एकड़ कलां, बहादरपुर जट आदि गांवों में बुखार से दर्जनों लोगों की मौत हो चुकी है, जबकि कई लोग अब भी बुखार से पीड़ित हैं। बहादरपुरजट और नसीरपुर कलां में बुखार से लगातार हो रही मौत को लेकर ग्रामीण अब अपना धैर्य खो चुके हैं। मंगलवार को गांव की दो महिलाओं समेत तीन लोगों की मौत के बाद ग्रामीणों ने आक्रोश व्यक्त किया। उन्होंने मामले को लेकर शासन और प्रशासन तक गुहार लगानी शुरू कर दी है। पूर्व प्रधान विकास कुमार, जिपं सदस्य सोहनवीर पाल, भाजपा नेता धर्मेंद्र चौहान, सपा के जिलाध्यक्ष साजिद अली आदि ने ग्रामीणों के प्रतिनिधि मंडल के रूप में पूर्व कैबिनेट मंत्री स्वामी यतीश्वरानंद से मुलाकात की। उन्होंने गांवों में फैल रहे बुखार और इससे हो रहीं मौतों के बारे में उन्हें अवगत कराया। रोकथाम के लिए सभी ने मौके पर स्वास्थ्य विभाग की टीम की मांग की। स्वामी यतीश्वरानंद ने लोगों को जल्द ही संबंधित अधिकारियों से वार्ता कर गांवों में स्वास्थ्य विभाग की टीम भेजने का आश्वासन दिया है।

भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा ने हरिद्वार में किया अस्थि विसर्जन

हरिद्वार। भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा ने वीआईपी घाट पर अपनी बुआ का अस्थि विसर्जन किया।नड्डा मंगलवार की देर शाम धर्मनगरी में पहुंचे थे। निजी कार्यक्रम के चलते उन्होंने पार्टी के पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं से दूरी बनाए रखी। भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा ने देवसंस्कृति विश्वविद्यालय में रात्रि विश्राम किया। उनकी बुआ गंगा देवी का सोमवार को हो निधन हो गया था। वह हिमाचल के कुल्लू में रह रहीं थीं। जेपी नड्डा का विशेष लगाव शांतिकुंज से रहा। इसके चलते वह उनकी अस्थियां लेकर पहुंचे। बुधवार को देवसंस्कृति विश्वविद्यालय में विधि-विधान से तर्पण कार्यक्रम हुआ। हरकी पैड़ी क्षेत्र के घाट पर उन्होंने अस्थि विसर्जन किया। राष्ट्रीय अध्यक्ष के आगमन पर भाजपा प्रदेश अध्यक्ष महेंद्र भट्ट के अलावा भाजपा प्रदेश महामंत्री और परिवार के करीब 10 सदस्य भी मौजूद रहे।

जहाँ गोवर्धन है, वहीं कृष्ण हैं

भगवान गोपियों और ग्वालों के साथ गायें चराते हुए, गोवर्धन पर्वत पर पहुँचे। तो देखा कि गोपियाँ छप्पन प्रकार के भोजन रखकर, बड़े उत्साह से नाच-गाकर उत्सव मना रही हैं। श्रीकृष्ण ने पूछा, तो उन्होंने कहा आज वृत्रासुर को मारने वाले तथा मेघों व देवों के स्वामी इंद्र का पूजन होता है, इसे इन्द्रोज यज्ञ कहते हैं। इससे ब्रज में वर्षा होती है, अन्न होता है। कृष्ण ने कहा कि इंद्र में क्या शक्ति है, उससे अधिक शक्तिशाली तो हमारा गोवर्धन पर्वत है। समझाते हैं आगे कृष्ण कि गोवर्धन से वर्षा होती है, हमें इंद्र की जगह गोवर्धन की पूजा करनी चाहिए। बात ब्रजवासियों ने मानी और गोवर्धन पूजा की तैयारियाँ शुरू हो गईं। सभी गोप-ग्वाल अपने-अपने घरों से पकवान लाकर, गोवर्धन की तराई में, कृष्ण की द्वारा बताई विधि से पूजा करने लगे। नारद मुनि भी वहाँ पहुँचे थे, इन्द्रोज यज्ञ देखने। इन्द्रोज यज्ञ बंद करके गोवधन की पूजा कर रहे हैं ब्रजवासी, यह बात नारद द्वारा इंद्र तक पहुँच गई। इंद्र गुस्सा गए, मेघों को आज्ञा दी, कि गोकुल में जाएँ, और प्रलय कर दें। तो ब्रज भूमि में मूसलाधार बारिश होने लगी। सभी भयभीत हो उठे। सभी ग्वाले श्रीकृष्ण की शरण में पहुँचे। कृष्ण ने कहा कि गोवर्धन की शरण में चलो वही सबकी रक्षा करेंगे। जब सब गोवर्धन की तराई में पहुँचे तो कृष्ण ने गोवर्धन को अपनी कनिष्का अंगुली पर उठाकर छाता-सा तान दिया, और सबको मूसलाधार बारिश से बचा लिया। सत्य, तथ्य, कल्पना- जब केन्द्र होता है सत्य का, तब सामने जो दिखाई दे, इंद्रियों से जो दिखाई दे, उसे कहते हैं तथ्य। और जब केन्द्र होता है छोटे से सीमित अहंकार का, तब आँखों को जो दिखाई दे, तब मन जिसमें रमा रहे, उसे कहते हैं कल्पना। तथ्य सदा पूरा होता है; कल्पना सदा अधूरी होती है। तथ्य में पूर्णता होती है; कल्पना में सदा प्यास होती है। कारण सीधा है कि तथ्य के केन्द्र पर कौन बैठा है? सत्य। और कल्पना के केन्द्र पर कौन बैठा है? अहंकार। अहंकार ही अपूर्ण है तो अहंकार जनित जितनी कल्पनाएँ होंगी, जाहिर-सी बात है कि वो अपूर्ण ही होंगी। और सत्य पूर्ण है तो इसीलिए तथ्य सदा पूर्ण होता है। जब आप तथ्य की पूजा करते हो, जब आप तथ्य के सामने सिर झुकाते हो, तब वास्तव में, आप साकार सत्य के सामने ही सिर झुका रहे हो। सत्य यदि निराकार है तो तथ्य उस निराकार का साकार रूप है। केन्द्र पर कौन बैठा है? निराकार सत्य। और परिधि पूरी किसकी हुई? साकार तथ्य की। तथ्य के सामने सिर झुकाने का क्या अर्थ होता है? तथ्य के सामने सिर झुकाने का अर्थ होता है कि श्तथ्य में मैं कल्पना की मिलावट नहीं करूँगा। मैं बिना पूर्वाग्रह के, मैं बिना अपने व्यक्तिगत अभिमत के, मैं बिना डर, लज्जा और संकोच के तथ्य को देखूँगा।श यह है तथ्य के सामने सिर झुकाना। श्मैं तथ्य के साथ छेड़खानी नहीं करूँगा।श यह हुआ तथ्य के सामने सिर झुकाना। जो जैसा है उसको वैसा ही देखूँगा, बीच में खुद को नहीं लाऊँगा, बीच में अहंकार को नहीं लाऊँगा। मेरी व्यक्तिगत सत्ता का, मेरी पसंद-नापसंद का कोई महत्व नहीं। जो चीज जैसी है बस वैसी है। मैं उसमें कोई बदलाव नहीं लाना चाहता। मैं उसमें किसी विजातीय वस्तु का मिश्रण नहीं कर देना चाहता।श - यह है तथ्य के सामने सिर झुकाना। तथ्य के सामने सिर झुकाया और आप सत्य के सामने खड़े हो गए। वास्तव में, सत्य में स्थापित हुए बिना, आप तथ्य के सामने सिर झुका ही नहीं सकते। हम तथ्यों को क्यों तोड़ना-मरोड़ना चाहते हैं? क्योंकि वो वैसे नहीं होते जैसे हमें चाहिए, जैसे हमें पसंद होते हैं। हम अपूर्ण होते हैं तो हम तथ्यों को स्वीकार ही नहीं कर पाते। तो हम तथ्यों को फिर क्या करते हैं? तोड़-मरोड़ देते हैं। सच को झूठ बना देते हैं। करते हैं न? अध्यात्म है सत्य के सामने नमन। अध्यात्म है सत्य के साथ योग। सत्य के साथ यदि योग है अध्यात्म, तो जाहिर-सी बात है अध्यात्म में तथ्य का विशेष महत्व रहेगा, क्योंकि जैसा हमने कहा कि निराकार सत्य ही साकार तथ्य हो जाता है; अध्यात्म में तथ्य का विशेष महत्व रहेगा। और फिर अध्यात्म में किसके लिए स्थान नहीं हो सकता? कल्पना के लिए। क्योंकि अध्यात्म अहंकार का निषेध है, अपूर्णता का निषेध है, हीन भावना का निषेध है। अब आप देखिए ब्रज में चल क्या रहा था। ब्रज में क्या चल रहा था? इंद्र की पूजा की जा रही थी। कृष्ण कहते हैं ख़ ष्यह बात ठीक नहीं है। तुम गौर से देखो कि तुम्हें वास्तव में किससे मिल रहा है। इंद्र तुम्हारी कल्पना है। तुम इंद्र से कभी मिले नहीं। इंद्र तो तुम्हारे मन से उठा हुआ एक चित्र है, एक छवि है। यह जो इतना बड़ा पहाड़ खड़ा है, यह क्या है? यह तथ्य है। देखो कि इसी पहाड़ से मेघ टकराते हैं तो बारिश होती है। देखो कि इसी पहाड़ की छाया में रहते हो तुम। देखो कि तमाम तरह की तुम्हें सुरक्षाएँ भी देता होगा। कृषि आधारित अर्थव्यवस्था थी। प्राकृतिक संसाधनों का बड़ा महत्व था ब्रज की रोज की चर्या में, पशुओं के लालन-पालन में, खाद्यान्न उत्पादन में। वन, वन्य संसाधनों का बड़ा महत्व रहता है। बहुत कुछ है जो जंगल देते हैं। जहाँ पहाड़ है वहाँ जंगल है। ग्रामीण अर्थव्यवस्था बहुत लाभ पाती है वन्य उपज से। कृष्ण ने जो कहा उसको समझो। कृष्ण कह रहे हैं, ष्ग़ौर से देखो न कि वास्तव में तुम्हें फायदा कौन दे रहा है। सामने खड़ा हुआ है और तुम कल्पनाओं में खोए हुए हो। कृष्ण वास्तव में कह रहे हैं कि श्कल्पना को छोड़ो और तथ्य में आओ। और उसी बात को गहराई से देखो तो कृष्ण कह रहे हैं, श्कल्पना के केन्द्र अहंकार को छोड़ो और तथ्य के केन्द्र सत्य में आओ।श तो हटाओ तुम इंद्र को। जो चीज सामने है उस पर आओ। देखो बात कितनी वैज्ञानिक है। हम अकसर आध्यात्मिकता को अंधविश्वास से जोड़ देते हैं। आध्यात्मिकता वास्तव में तमाम तरीके के अंधविश्वासों की काट है। कुछ हद तक तो विज्ञान भी अंधविश्वास को प्रश्रय दे सकता है। आध्यात्मिकता कभी नहीं दे सकती अंधविश्वास को प्रश्रय। तो कृष्ण कह रहे हैं कि 'ब्रजवासियों, इंद्र तुम्हारा अंधविश्वास है। तुम गौर से देखो, तुम अपने पर भरोसा करो। अपनी इंद्रियों की स्वच्छता पर भरोसा करो। अपनी बुद्धि की निर्मलता पर भरोसा करो। और देखो कि तुम्हें वास्तविक लाभ मिल रहा है इस गोवर्धन पर्वत से। इसकी पूजा करो।' गोवर्धन की पूजा माने किसकी पूजा? तथ्य की पूजा। अब कहानी कहती है कि जब तथ्य की पूजा होने लगी तो तमाम तरीके के उपद्रव पैदा हो गए, बारिश हो गई और ये सब हो गया। और जब बारिश इत्यादि हो गई तो कहानी आगे कहती है कि उस सब से बचाया भी किसने? पर्वत ने। कृष्ण ने और पर्वत ने। पर्वत माने तथ्य, कृष्ण माने सत्य। जो ये बारिश वगैरह हो रही है ये क्या है, ये क्या उपद्रव पैदा हो गए? जब भी तुम कल्पना के केन्द्र से छिटकोगे, तो जो कल्पना का राजा है, जो कल्पना का केन्द्र है, जो कल्पनाओं का मालिक है, जो तुम्हारे भीतर एक मायावी बादशाह बैठा हुआ है, वह कुपित तो होगा। वह कुछ-न-कुछ तुम्हें सजा देगा। क्यों सजा देगा? क्योंकि आज तक तुम उसका हुक्म बजाते थे। और आज अचानक तुम बेअदबी पर उतर आए। आज तक तुम किस केन्द्र पर चल रहे थे? कल्पनाओं के। और आज तुमने अचानक कह दिया ! हम आपकी अवज्ञा करते हैं। तो भीतर कोई बैठा है जो तुम्हारा इम्तिहान लेगा, जो कहेगा, ष्देखें जरा, कि वास्तव में तुम्हारी सत्य के प्रति खरी निष्ठा है या सिर्फ बयानबाजी कर रहे हो।ष तो ये इम्तिहान है। इंद्र कल्पनाओं के राजा। तो विपत्ति आती है, बारिश हो गई, ये हो गया। बारिश से ये मत समझ लेना कि वास्तव में इंद्र ने कुछ भेज दिया और बारिश हो गई। बस ये समझ लेना कि मन में कुछ उथल-पुथल पैदा हो गई। या बारिशें अगर हुईं भी, तो मन ने उन बारिशों का नाता इंद्र से जोड़ लिया और अपने-आपको परेशान कर लिया। कल्पनाओं ने आघात किया। बचाया किसने? तथ्य ने बचा लिया। जब भी कल्पनाएँ आघात करें, तथ्य की शरण में चले जाना। और तथ्य तक तुम्हें ले सत्य ही जाएगा। कोई कृष्ण होना चाहिए, जो बार-बार तुम्हारा ध्यान तथ्य की ओर आकृष्ट करे, जो बार-बार तुमसे कहे कि अपनी परी कथाओं को छोड़ो, अपनी कल्पनाओं को छोड़ो, देखो कि हकीकत क्या है। हकीकत को वो तुम्हें दिखाएगा और वही हकीकघ्त फिर तुम्हें बचाएगी। गोवर्धन की पूजा करोगे, गोवर्धन तुम्हें बचा लेगा; क्योंकि गोवर्धन तुम्हें सदा से बचाता आया है, वही तो पहले भी काम आ रहा था। बात समझ में आ रही है? तुम्हें क्या जरूरत है कल्पनाओं के आगे सिर झुकाने की, जब तुम्हें तथ्यों के रूप में, सत्य का, परमात्मा का आशीर्वाद मिला हुआ है? उपनिषद् कहते हैं ख़ अन्नं ब्रह्म। अन्न ही ब्रह्म है। बात की गहराई को समझो। ब्रह्म तो निराकार है, अरूप। उसको तुम सीधे -सीधे जान नहीं सकते, सीधे-सीधे उससे तुम कोई रिश्ता बैठा नहीं सकते, तो तुम अन्न का अभिवादन कर लो। अन्न ब्रह्म है। अन्न की पूजा करो। कल्पना की क्यों पूजा कर रहे हो? अन्न है, पेट भरता है तुम्हारा, वही ब्रह्म है। ब्रह्म ना होता तो अन्न कहाँ से आता? जड़ ना होती तो बीज कहाँ से लगते? यह जो पर्वत है, यह प्रतीक है, प्रतिनिधि है प्रकृति का, संसार का। परमात्मा को सीधे कभी नहीं पूज पाओगे। प्रकृतिस्थ हो जाओ। पहाड़ों को पूज लो, नदियों को पूज लो, रेगिस्तानों को पूज लो, पक्षियों को पूज लो, कीड़ों और मछलियों को पूज लो, और उनको देखने वाली अपनी आँखों को पूज लो। सुनने वाले कानों को पूज लो, समझने वाले मन को पूज लो। जो प्रकृतिस्थ हो गया, समझ लो, वह आत्मस्थ हो गया। आत्मस्थ होने का और कोई तरीका नहीं है। संसार के साथ एक हो जाओ, तुम परमात्मा के साथ एक हो जाओगे। तुम्हें परमात्मा किसी और रूप में उपलब्ध नहीं होगा। जो गोवर्धन के साथ एक हो गया, वो कृष्ण के साथ एक हो जाएगा। जिसे कृष्ण की मुरली भा गई, वो कृष्ण के पास आ जाएगा। कृष्ण के पास आने का और कोई तरीका नहीं है। परमात्मा के पास आने का एक ही तरीका है - संसार के पास आ जाओ। और जो मूर्ख सोचते हों कि संसार से कट करके परमात्मा को पा जाएँगे, वो संसार को तो खोएँगे ही, परमात्मा को भी खो ही देंगे। जो कुछ वास्तव में तुम्हारे काम आता हो, जान लो कि उसको भगवान ने ही भेजा है। उसी को भगवान मानकर उसकी पूजा कर लो। और किसको भगवान बनाना चाहते हो? जो तुम्हारे काम आ रहा है, उसको तुम नहीं मानोगे यदि भगवत सत्ता से प्रेरित, तो और किसको मानना चाहते हो? ये हवा काम आती है तुम्हारे, क्यों नहीं तुम इसको पूजते? दुनिया की तमाम महत्वाकांक्षाएँ रखते हो, ये पा लूँ, वो पा लूँ और बताओ जरा-सी देर को यदि हवा छिन जाए तो क्या पाने काबिल बचोगे? आँखों की ज्योति की पूजा क्यों नहीं करते? आती-जाती श्वास की पूजा क्यों नहीं करते? कण-कण नारायणयुक्त है। कण-कण की पूजा क्यों नहीं करते? कल्पना तुम्हें संसार से काटती है। कल्पना तुम्हें तुम्हारे ही किसी व्यक्तिगत, मिथ्या लोक में ले जाती है। तथ्य तुम्हें संसार में स्थापित कर देते हैं। जो संसार में स्थापित हो गया, वह सत्य में स्थापित हो गया। जिसको अभी संसार से शिकायतें हैं, समस्याएँ हैं, उसको वास्तव में अभी परमात्मा से ही शिकायतें हैं। जो कहे कि श्दुनिया तो बड़ी बेगानी जगह है, दुनिया में तो हमारा कुछ सामंजस्य बैठता नहीं, हमें तो अब मृत्यु लोक को पार करके परम लोक में जाना हैश, वो ये समझ ही नहीं रहे कि परमलोक के सारे दरवाजे मृत्युलोक से ही खुलते हैं। जो मृत्युलोक में गहरा पैठ जाएगा, वो अपने-आपको तत्काल परमलोक में पाएगा। और जो मृत्युलोक की अवहेलना करेगा वह दोनों तरफ से हाथ धो बैठेगा। गोवर्धन की छाया में यदि जी रहे हो तो गोवधन की ही पूजा करो। वो छोटी-छोटी बात जो तुम्हारे काम आती है, जान लो कि वही परमात्मा का आशीर्वाद है। सूरज उगता है, क्या इतने कृतघ्न हो कि सूरज का अहसान नहीं मानना चाहते? जल मिल जाता है, तुम्हारे भीतर जरा भी अनुग्रह नहीं उठता कि पानी मिला है, क्या किस्मत है मेरी! ना मिले पानी तो? किसी का क्षणभर को साथ मिल जाता है, अहोभाग्य मानो अपना। सुबह आँख खुल जाती है, हाथ जोड़ लो, विनीत हो जाओ। ना खुलती आँख तो? तुम्हारा कोई हकघ तो नहीं था न कि एक सुबह और मिले। जो कुछ भी तुम्हें मिल रहा है भौतिक रूप से, पार्थिव रूप से, सांसारिक रूप से, उसी को परमात्मा का आशीर्वाद मान लो; और कहीं मत तलाशने लग जाना। जहाँ गोवधन है, कृष्ण वहीं हैं। कृष्ण को खोजना हो, तो उस गोवर्धन के पास चले जाना जो तुम्हारे काम आता है। वह गोवर्धन कृष्ण की ही बुनियाद पर खड़ा है। बड़ा सांकेतिक है वह चित्र जिसमें कृष्ण की कनिष्ठा पर गोवर्धन विराजमान है। गोवर्धन की बुनियाद हुए कृष्ण। गोवधन का आधार हुए कृष्ण। तुम गोवर्धन पर जाओ, और डूब जाओ गोवर्धन में, वहाँ कृष्ण को पाओगे तुम गहराइयों में।

-आचार्य प्रशान्त वेदांत मर्मज्ञ, लेखक पूर्व सिविल सेवा अधिकारी संस्थापक, प्रशान्त अद्वैत फाउंडेशन

पेज एक का शेष...

रेस्क्यू में ढिलाई....डालकर रास्ता तैयार करने का निर्णय लिया गया। ऑगर मशीन से मंगलवार को खुदाई का काम शुरू हुआ लेकिन मशीन रात को खराब हो गयी। अब दिल्ली से एयरलिफ्ट कर लाई जा रही नई मशीन के लिए सुरंग के अंदर प्लेटफार्म तैयार किया जा रहा है। मंगलवार को बनाए गए प्लेटफार्म और खराब हुई ऑगर ड्रिलिंग मशीन को हटा दिया गया है। मलबे में फंसे 40 श्रमिकों के परिजन लगातार परेशान हैं। अपनों से बात नहीं कराए जाने पर बुधवार को परिवारजनों एवं मजदूरों ने हादसे वाली जगह पर ही प्रदर्शन शुरू कर दिया है। जहां एक ओर राहत और बचाव कार्य जारी है तो वहीं प्रदर्शन भी जारी है। बताया गया है कि वायु सेना के हरक्यूलिस विमान से करीब 11 टन की मशीन आनी है। जिसको चिन्यालीसौड़ हवाई पट्टी पर अनलोड करके सिलक्यारा पहुंचाया जाना है। फिलहाल चालीस श्रमिकों की जान सुरंग में कैद है। सुरंग के बाहर प्रदर्शन कर रहे लोगों ने बैकअप में दूसरी मशीन नहीं रखने और रेस्क्यू काम में ढिलाई बरतने का आरोप लगाया है। उधर सचिव आपदा प्रबंधन डॉ. सिन्हा ने बताया, केंद्रीय गृह मंत्रालय भी लगातार संपर्क में है। जो भी प्रगति और कार्रवाई है, उससे केंद्र को भी अवगत कराया जा रहा है। गृह मंत्रालय के अधिकारी बराबर पूरे ऑपरेशन पर नजर बनाए हुए हैं। खराब हुई ऑगर मशीन के स्थान पर अब ड्रिलिंग के लिए ज्यादा एडवांस मंशीन दिल्ली से मंगवाई जा रही है। जो वायु सेना की मदद से पहुंचाई जाएगी। राहत एवं बचाब कार्य की कमान संभाल रहे कर्नल दीपक पाटिल ने बताया कि ड्रिलिंग के लिए अमेरिका में निर्मित नई ऑगर मशीन मंगवाई जा रही है। जो ज्यादा तेजी से काम करेगी। बताया कि अब इस पूरे राहत एवं बचाव कार्य में मिलिट्री ऑपरेशन की टीम भी सक्रिय हो गयी है।

केदारनाथ धाम के ...कालीन पूजा-अर्चना के लिए ओंकारेश्वर मंदिर में विराजमान हो जाएंगे। मुख्य पुजारी द्वारा धार्मिक परंपराओं का निर्वहन किया गया। बाबा केदार के स्वयंभू लिंग को समाधिरूप देकर पुष्प, अक्षत, पूजन सामग्री और भस्म से ढक दिया गया। सुबह 7 बजे बाबा केदार की भोगमूर्ति को भंडारगृह से मंदिर के सभामंडप में लाया जाएगा। पंचमुखी भोगमूर्ति को चल उत्सव विग्रह डोली में विराजमान किया जाएगा। इसके बाद शुभ लग्न पर सुबह 8:30 बजे कपाट बंद कर दिए जाएंगे।

युवक ने फांसी...फंदे से लटका देखा तो उनके होश उड़ गये। सूचना पर आदर्श कालोनी चौकी प्रभारी महेश कांडपाल टीम के साथ पहुंचे और शव को पंखे से उतारकर पोस्टमार्टम के लिए भेजा। आत्म हत्या के कारणों का खुलासा नहीं हो पाया है। पुलिस पोस्टमार्टम रिपोर्ट का इंतजार कर रही है। घटना से मृतक के परिजनों में कोहराम मचा है। मृतक की दो वर्ष पहले ही शादी हुयी थी। वह तीन भाईयों में सबसे छोटा था।

ई रिक्शा चालक...की तलाश में दबिश दे रही है। ई रिक्शा चालक द्वारा दुष्कर्म के प्रयास पर ग्रामीणों में जबरदस्त रोष है। सीओ ओमप्रकाश शर्मा ने कहा कि जल्द आरोपित को पकड़ लिया जाएगा।

शीतकाल के लिए बदरीनाथ धाम के कपाट बंद होने की प्रक्रियाएं शुरू

चमोली। बदरीनाथ धाम के कपाट 18 नवंबर को अपराह्न 3 बजकर 33 मिनट पर बंद किए जाएंगे।मंदिर समिति के मीडिया प्रभारी डॉ. हरीश गौड़ ने बताया कि गणेश मंदिर बंद होने के बाद 15 नवंबर को आदिकेदारेश्वर मंदिर के कपाट बंद होंगे। इससे पूर्व आदिकेदारेश्वर भगवान को पके चावलों का भोग लगाया जाएगा। बदरीनाथ धाम के कपाट बंद होने की प्रक्रियाएं आज 14 नवंबर से शुरू हो जाएंगी। मंगलवार को धार्मिक परंपरा के अनुसार, पूजा-अर्चना और भोग लगने के बाद धाम परिसर में स्थित भगवान गणेश मंदिर के कपाट शीतकाल के लिए बंद कर दिए जाएंगे। जबकि बदरीनाथ धाम के कपाट 18 नवंबर को

अपराह्न 3 बजकर 33 मिनट पर बंद किए जाएंगे। बदरीनाथ-केदारनाथ मंदिर समिति के मीडिया प्रभारी डॉ. हरीश गौड़ ने बताया कि गणेश मंदिर बंद होने के बाद 15 नवंबर को आदिकेदारेश्वर मंदिर के कपाट बंद होंगे। इससे पूर्व आदिकेदारेश्वर भगवान को पके चावलों का भोग लगाया जाएगा। 16 को खड़क पुस्तकों को गर्भगृह में रखा जाएगा और इसी के साथ बदरीनाथ धाम में वेद ऋचाओं का वाचन छह माह के लिए बंद हो जाएगा। 17 को धाम परिसर में स्थित लक्ष्मी मंदिर में कढ़ाई भोग का आयोजन होगा और 18 नवंबर को मां लक्ष्मी की प्रतिमा को बदरीनाथ गर्भगृह में विराजमान कर गर्भगृह से कुबेर जी, गरुड़ जी और उद्धव जी की प्रतिमा को बाहर लाकर उत्सव डोली में रखा जाएगा। इसके बाद अपराह्न 3 बजकर 33 मिनट पर बदरीनाथ धाम के कपाट बंद कर दिए जाएंगे।

आवेदन करने वाले हजारों अभ्यर्थी की आयु सीमा हुई पार

देहरादून(उद संवाददाता)। समूह-ग के तहत सब इंस्पेक्टर व अन्य पदों पर भर्ती का विज्ञापन निकले दो साल पूरे होने वाले हैं। इसके लिए आवेदन करने वाले हजारों अभ्यर्थी आयु सीमा पार कर गए हैं, लेकिन भर्ती का पता नहीं है। अभ्यर्थियों का कहना है कि भर्ती को लेकर कोई भी आयोग सुनने को तैयार नहीं है। दरअसल, अधीनस्थ सेवा चयन आयोग ने तीन जनवरी 2022 को पुलिस विभाग में उप निरीक्षक नागरिक पुलिस के 65, उप निरीक्षक अभिसूचना के 43, गुल्मनायक पुरुष पीएसी, आईआरबी के 89 और अग्निशमन द्वितीय अधिकारी के 24 मिलाकर 221 पदों पर भर्ती का विज्ञापन जारी किया था। इस भर्ती के लिए आठ जनवरी से 21 फरवरी तक हजारों अभ्यर्थियों ने ऑनलाइन आवेदन किया था। अधीनस्थ सेवा चयन आयोग ने इसकी परीक्षा की तिथि भी जुलाई 2022 में तय की थी, लेकिन इस बीच आयोग के स्नातक स्तरीय सहित कई भर्तियों के पेपर लीक का प्रकरण सामने आ गया। आननफानन में भर्तियों का अभियान जारी रखने के लिए समूह-ग की ये भर्तियां सरकार ने उत्तराखंड लोक सेवा आयोग को सौंप दी। राज्य लोक सेवा आयोग ने तमाम भर्तियां आगे बढ़ा दी हैं, लेकिन इस भर्ती को लेकर अभी तक कोई कदम नहीं उठाया। हालात ये हैं कि अभ्यर्थी भर्ती की जानकारी के लिए आयोग के चक्कर काट रहे हैं। उनका कहना है कि सरकार ने अधीनस्थ सेवा चयन आयोग से राज्य लोक सेवा आयोग को ये भर्ती ट्रांसफर कर दी थी, लेकिन आयोग इसे आगे नहीं बढ़ा रहा है।उनका कहना है कि कई अभ्यर्थी अधिकतम आयु सीमा से दो साल ऊपर पहुंच चुके हैं। मामले में राज्य लोक सेवा आयोग के सचिव गिरधारी सिंह रावत का कहना है कि इस भर्ती से जुड़ी सेवा नियमालवी के कुछ मामले थे, जिसमें संशोधन की प्रक्रिया चल रही है। जैसे ही वो पूरी होगी, हम भर्ती प्रक्रिया को आगे बढ़ा देंगे

संस्थापक-स्व० हरनामदास सुखीजा एवं स्व०तिलकराज सुखीजा
स्वामित्वाधिकारी,प्रकाशक एवं मुद्रक परमपाल सुखीजा द्वारा उत्तरांचल दर्पण पब्लिकेशन्स, श्याम टाकीज रोड,रुद्रपुर,ऊधमसिंहनगर(उत्तराखण्ड)से मुद्रित एवं प्रकाशित
सम्पादक-परमपाल सुखीजा समाचार सम्पादक-जगदीश चन्द्र
आरएनआई नं.: UTTHIN/2002/8732 समस्त विवाद रूद्रपुर न्यायालय के अधीन होंगे।
E-mail-darpan.rdr@gmail.com,www.uttaranchaldarpan.in
फोन-245886(O)245701(Fax),9897427585,9897427586(Mob.)

SAMSUNG
गुरू माँ
Galaxy Tab S9 Series
samsung.com
Own now at ₹ 60999*
Up to ₹ 12000 HDFC Bank Cashback
Samsung upgrade bonus of ₹ 3000*
No cost EMI Up to 24 months#*
HDFC BANK
Secured by Knox
Galaxy Z Flip5
Own now at ₹ 3379/month*
Zero down payment | 30 months low cost EMI
Galaxy Z Fold5
Own now at ₹ 5237/month*
Zero down payment | 30 months low cost EMI
Galaxy S23 FE
Own at ₹ 67 per day*
SAMSUNG SMART PLAZA
Guru Maa Enterprises
No D1 & D2, opposite Guru Maa Dental Clinic, Civil Lines, Rudrapur, Uttarakhand 263153 Contact: 070390 02656
Cheema Chauraha, Ramnagar Rd, opp. HDFC Bank, Kashipur, Uttarakhand 244713 Contact: 070390 02648
BAJAJ FINSERV
HDB FINANCIAL SERVICES
आधार लाये, उधार ले जाएँ
EMI मात्र ₹990 प्रति माह से शुरू*
EASY EMI OPTION AVAILABLE
YES BANK
HDFC BANK
AMERICAN EXPRESS
सेल्स एवं सर्विस हेतु कॉल करें - 8791989500, 9927882338 उत्तराखंड की सबसे बड़ी इलेक्ट्रॉनिक्स रिटेल चेन